E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक -55 | प्रयागराज, मंगलवार 05 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने ईरानी जहाज पाक को सौंपा,चीन से लौटते समय किया था कब्जा,अमेरिकी नेवी होर्मुज में फंसे जहाजों को रेस्क्यू करेगी

तेहरान। अमेरिकी सेना ने जब्त किए गए ईरानी जहाज टूस्का को अब पाकिस्तान को सौंप दिया है।

अब इस जहाज को उसके क्रू मेंबर के साथ वापस ईरान भेजा जाएगा। यह जानकारी अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ण्ङिऊण्ध्श) के प्रवक्ता ने दी। अमेरिका ने 21 अप्रैल को इस जहाज को पकड़ लिया था। यह चीन से लौट रहा था। तब अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया था कि इस पर हथियार बनाने से जुड़े सामान लाए जा रहे थे। ईरान ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की थी और इसे समुद्री डकैती बताया था। अमेरिका ने ईरानी जहाज को ऐसे समय पर रिलीज किया है जब कुछ ही घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने होर्मुज में फंसे जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने के लिए नया अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर बताया कि कई देशों ने अमेरिका से मदद मांगी है। उनके जहाज यहां फंस गए हैं। ट्रम्प ने इन जहाजों और उनके कर्मचारियों को निर्दोष बताया और कहा कि वे हालात के कारण मुश्किल में फंस गए हैं।उन्होंने कहा कि अमेरिका इन जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिखाएगा ताकि वे बिना किसी खतरे के अपना काम जारी रख सकें। यह ऑपरेशन सोमवार सुबह से शुरू होगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर इस ऑपरेशन में ईरान ने कोई रुकावट पैदा की तो अमेरिका सख्त जवाब देगा। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ईरान की चेतावनी- आईआरजीसी के पूर्व कमांडर मोहसिन रजाई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि होर्मुज को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना दिया जाएगा। 2. जंग रोकने का नया प्रस्तावः अमेरिका को पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पॉइंट का प्रस्ताव मिला है। ट्रम्प ने कहा कि वे इस नए प्रस्ताव का रीव्यू भी कर रहे है। 3. कार्गो शिप पर बोट्स से हमला- होर्मुज स्ट्रेट में एक बड़े कार्गो जहाज पर छोटे-छोटे नावों से हमला किया गया है। किसी के घायल होने की खबर नहीं मिली है। 4. अब तक 49 जहाजों ने रास्ता बदलाः अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने बताया है कि ईरान के बंदरगाहों पर चल रही घेराबंदी के दौरान अब तक 49 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया गया है। 5. अमेरिका में पेट्रोल महंगाः अमेरिका में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 4.45 डॉलर (370 रुपए) प्रति गैलन (3.78 लीटर) हो गई है। 28 फरवरी के बाद से पेट्रोल की कीमत 1.47 डॉलर (122 रुपए) बढ़ चुकी है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा है कि होर्मुज के प्रभावी तौर पर बंद होने का इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर बहुत बड़ा असर पड़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि जापान और ऑस्ट्रेलिया एनर्जी सप्लाई को स्थिर बनाए रखने के लिए मिलकर तुरंत कदम उठाएंगे। ताकाइची ने कहा कि दोनों देशों ने इस संकट से निपटने के लिए आपस में लगातार संपर्क बनाए रखने और तेजी से प्रतिक्रिया देने पर सहमति जताई है।

दावा- 'राजनीतिक नियुक्तियां' रद्द कीं, नेपाल में 1500 से ज्यादा अधिकारी हटाए गए

काठमांडू। नेपाल की नई सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए

1500 से ज्यादा सरकारी नियुक्तियों को रद्द कर दिया है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शनिवार को अध्यादेश जारी कर 26 मार्च से पहले की सभी नियुक्तियों को समाप्त करने का आदेश दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फैसले के तहत 1594 पदों पर बैठे अधिकारियों को हटाया गया है। सरकार ने इन्हें 'राजनीतिक नियुक्तियां' बताते हुए खत्म किया है। इस कदम से नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी, बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज और नेपाल एयरलाइंस जैसे प्रमुख संस्थानों में शीर्ष पद खाली हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सेवाओं पर असर पड़ सकता है, क्योंकि कई जगहों पर निर्णय लेने वाले अधिकारी नहीं बचे हैं। सरकार का कहना है कि यह कदम पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए जरूरी था। हालांकि, नई नियुक्तियों को लेकर अभी कोई स्पष्ट योजना सामने नहीं आई है। यह फैसला हाल ही में सत्ता परिवर्तन के बाद लिया गया है, जब मार्च में हुए चुनाव में नई सरकार बनी थी। विपक्ष और कुछ विशेषज्ञ इसे लेकर सवाल उठा रहे हैं और इसे प्रशासनिक व्यवस्था के लिए जोखिम बता रहे हैं।

नेपाल बोला- भारतीय यात्री लिपुलेख से मानसरोवर न जाएं,ये हमारा इलाका,नेपाल के दावे का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं-भारत

काठमांडू। नेपाल सरकार ने भारतीय तीर्थयात्रियों से लिपुलेख के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा न करने की अपील की है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि 1816

की सुगौली संधि के मुताबिक लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी क्षेत्र नेपाल का हिस्सा है। सरकार ने कहा कि लिपुलेख के रास्ते प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर उसने भारत और चीन दोनों को डिप्लोमैटिक तरीके से अपनी आपत्ति और चिंता से अवगत करा दिया है। नेपाल ने यह भी बताया कि वह पहले भी भारत से इस इलाके में सड़क निर्माण, व्यापार और पर्यटन जैसी एक्टिविटी न करने की अपील करता रहा है। नेपाल ने चीन को भी आधिकारिक तौर पर यह जानकारी दी है कि लिपुलेख उसका हिस्सा है। भारत बोला- नेपाल के दावे तथ्यों पर आधारित नहीं नेपाल की हालिया टिप्पणी के बाद भारत ने अपना रुख स्पष्ट किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस मुद्दे पर भारत की स्थिति पहले से ही स्पष्ट और स्थिर रही है। भारत सभी विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकालने के पक्ष में है। जायसवाल ने कहा कि लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर यात्रा का एक पारंपरिक मार्ग रहा है और इस रास्ते का इस्तेमाल कई दशकों से होता आ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई नया मुद्दा नहीं है। सीमा विवाद पर भारत ने फिर दोहराया कि नेपाल के दावे तथ्यों और ऐतिहासिक प्रमाणों पर आधारित नहीं हैं। भारत ने कहा कि एकतरफा और कृत्रिम तरीके से सीमा दावों को बढ़ाना स्वीकार्य नहीं है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत, नेपाल के साथ सभी लंबित मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत के लिए तैयार है और सीमा से जुड़े मतभेदों को भी आपसी संवाद और कूटनीति के जरिए सुलझाने का समर्थन करता है। भारत, नेपाल और चीन सीमा से लगे इस इलाके में हिमालय की नदियों से मिलकर बनी एक घाटी है, जो नेपाल और भारत में बहने वाली काली या महाकाली नदी का उद्गम स्थल है। इस इलाके को कालापानी भी कहते हैं। यहीं पर लिपुलेख दर्रा भी है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

होर्मुज में अमेरिकी जहाज पर ईरान का मिसाइल अटैक,सुबह ट्रम्प ने कहा था अमेरिका यहां फंसे जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालेगा

वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने

होर्मुज स्ट्रेट में एक अमेरिकी नेवी शिप पर दो मिसाइलें दागीं। हमले में जहाज को नुकसान पहुंचा, जिसके बाद उसे पीछे हटना पड़ा। ईरानी न्यूज एजेंसी फार्स ने इस बारे में जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला तब किया गया जब अमेरिकी जहाज ईरानी नौसेना की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए होर्मुज से गुजरने की कोशिश की। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड सेंटकॉम ने होर्मुज में अपने किसी भी नौसैनिक जहाज पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अमेरिकी सेना प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत काम कर रही है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिकी सेना इस इलाके में फंसे जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद करेगी और किसी भी रुकावट का कड़ा जवाब दिया जाएगा। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ईरान की चेतावनीः आईआरजीसी के पूर्व कमांडर मोहसिन रजाई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि होर्मुज को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना दिया जाएगा। 2. जंग रोकने का नया प्रस्तावः अमेरिका को पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पॉइंट का प्रस्ताव मिला है। ट्रम्प ने कहा कि वे इस नए प्रस्ताव का रीव्यू भी कर रहे है। 3. कार्गो शिप पर बोट्स से हमलाः होर्मुज स्ट्रेट में एक बड़े कार्गो जहाज पर छोटे-छोटे नावों से हमला किया गया है। किसी के घायल होने की खबर नहीं मिली है। 4. अब तक 49 जहाजों ने रास्ता बदलाः अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने बताया है कि ईरान के बंदरगाहों पर चल रही घेराबंदी के दौरान अब तक 49 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया गया है। 5. अमेरिका में पेट्रोल महंगाः अमेरिका में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 4.45 डॉलर (370 रुपए) प्रति गैलन (3.78 लीटर) हो गई है। 28 फरवरी के बाद से पेट्रोल की कीमत 1.47 डॉलर (122 रुपए) बढ़ चुकी है।

बलूचों के हमलों से यूएस-पाक माइनिंग प्रोजेक्ट संकट में,कीमत रु64000 करोड़

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने अमेरिका-पाकिस्तान के रेको डिक माइनिंग प्रोजेक्ट को संकट में डाल दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के

मुताबिक इसकी वैल्यू करीब 7.7 अरब डॉलर (रु64,000 करोड़) है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के 500 से ज्यादा लड़ाकों ने 31 जनवरी को बलूचिस्तान के कई इलाकों में हमला कर 58 लोगों की हत्या कर दी थी, जिससे रेको डिक माइनिंग प्रोजेक्ट की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए। हमलावरों ने बैंक, पुलिस स्टेशन, जेल और सरकारी इमारतों को निशाना बनाया। कई जगहों पर आगजनी की गई और मुख्य सड़कों को जाम कर दिया गया, जिससे क्वेटा और कराची के बीच कनेक्टिविटी प्रभावित हुई। कुछ हमलावरों ने आत्मघाती विस्फोट भी किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने ऑटोमैटिक राइफल और ग्रेनेड लॉन्चर जैसे आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। इनमें से कुछ हथियार अफगानिस्तान में 2021 के बाद छोड़े गए अमेरिकी हथियार बताए जा रहे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इतने बड़े स्तर पर हमला बिना लोकल समर्थन, मजबूत नेटवर्क और पर्याप्त हथियारों के मुमकिन नहीं है। रेको डिक प्रोजेक्ट पर सीधा असर-हमलों का असर बलूचिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण खनन प्रोजेक्ट रेको डिक पर पड़ा। यह क्षेत्र सोना और तांबे के बड़े भंडार के लिए जाना जाता है। हमलों के बाद इस साइट तक जाने वाले रास्ते कई दिनों तक बंद रहे, जिससे ऑपरेशन प्रभावित हुआ। यह प्रोजेक्ट अमेरिका और पाकिस्तान के बीच आर्थिक साझेदारी का केंद्र माना जा रहा है। अमेरिका ने इस प्रोजेक्ट में करीब 1.3 अरब डॉलर निवेश की घोषणा की है, जबकि कुल निवेश 2 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। कनाडा की बैरिक माइनिंग कंपनी ने सुरक्षा कारणों से प्रोजेक्ट की गति धीमी कर दी है और 2027 तक देरी की बात कही है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर रेको डिक प्रोजेक्ट प्रभावित होता है, तो अमेरिका-पाकिस्तान साझेदारी को बड़ा झटका लग सकता है। पिछले कुछ सालों में बीएलए के हमले अधिक संगठित और तकनीकी रूप से मजबूत हुए हैं। यह संगठन अब सिर्फ सुरक्षा बलों ही नहीं, बल्कि नागरिकों और विदेशी निवेश को भी निशाना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में बीएलए अपने हमलों को 'आजादी की लड़ाई' के रूप में पेश करता है, जिससे उसे स्थानीय युवाओं का समर्थन मिल रहा है।

चुनावी हलचल

सुवेंदु अधिकारी बोले- काउंटिंग ड्यूटी की जानकारी लीक हो रही,टीएमसी का आरोप- बीजेपी के झंडे वाली कार को बिना जांच काउंटिंग सेंटर में एंट्री मिली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि काउंटिंग ड्यूटी पर

तैनात कई अधिकारी अपनी ड्यूटी, लोकेशन और पद की जानकारी अपने विभागीय संगठनों और एसोसिएशन को शेयर कर रहे हैं। उन्होंने इसे नियमों के खिलाफ बताया। सुवेंदु ने एक्स पर पोस्ट कर वॉट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि एक स्प्रेडशीट और लिस्ट सर्कुलेट हो रही हैं। इसमें अधिकारी अपनी इलेक्शन ड्यूटी की जानकारी और काउंटिंग में उनकी भूमिका भर रहे हैं। कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में रिजल्ट से एक दिन पहले काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ। टीएमसी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बीजेपी के झंडे वाली कार को बिना जांच स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई। इधर, चुनाव आयोग ने फालता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 पोलिंग स्टेशनों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराने का आदेश दिया है। काउंटिंग 24 मई को होगी।ईसीआई के अनुसार, 29 अप्रैल को यहां वोटिंग के दौरान चुनावी नियमों का उल्लंघन हुआ था। उत्तर 24 परगना की नोआपाड़ा विधानसभा से बीजेपी उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने कि शनिवार रात करीब 12:10 बजे अमन चौधरी और आकाश चौधरी ने बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र के सचिव कुंदन सिंह के घर पर फायरिंग की और उनके साथ गाली-गलौज की।

बांग्लादेश के अधिकारी बार-बार लगा रहे चीन के चक्कर, तारिक रहमान की नई रणनीति या छिपी हुई विदेश नीति?

ढाका। तारिक रहमान ने बांग्लादेश की बागडोर संभालने के बाद नई दिल्ली के रिश्ते सुधारने के संकेत दिए हैं लेकिन उनकी सरकार के अधिकारियों का बार बार चीन का दौरा हो रहा है। अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश का चीन के साथ आर्थिक सहयोग, व्यापार और लोगों के बीच आपसी मेल-जोल जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय जुड़ाव पहले के किसी भी समय की तुलना में काफी ज्यादा बढ़ा है। वहीं सबसे गौर करने वाली बात ये है कि बांग्लादेशी राजनीतिक नेताओं के चीन दौरे बढ़ गए हैं। सरकार बदलने के कुछ ही समय बाद कई पार्टियों के नेता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के बुलावे पर बीजिंग गए हैं। हालांकि बांग्लादेश के कूटनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बांग्लादेश की मौजूदा विदेश नीति किसी एक देश पर केंद्रित नहीं है। बल्कि इन दौरों का मकसद देश की रणनीतिक स्थिति के मुताबिक है लेकिन असलियत ये है कि बांग्लादेश की मौजूदा सरकार भले ही भारत से संबंध सामान्य रखना चाहता है लेकिन वो चीन से रिश्ते मजबूत करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाना चाहता।शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने बांग्लादेश

नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं को देश आने का न्योता दिया था। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के सत्ता संभालने के सिर्फ तीन महीने बाद बीएनपी के चार सदस्यों वाले एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने चीन का दौरा किया जो चीनी नेतृत्व के साथ बातचीत का एक नया सिलसिला शुरू होने का संकेत था। 27 नवंबर 2024 को सीपीसी के निमंत्रण पर बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेताओं का 14-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बीजिंग गया। यह पार्टी का इस तरह का पहला दौरा था। इस यात्रा से पहले ढाका में चीन के राजदूत याओ वेन ने प्रतिनिधिमंडल के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया था जिसमें उन्होंने बांग्लादेश को 'ऐतिहासिक मोड़' पर खड़ा बताया। पिछले साल 24 फरवरी को राजनीतिक और सामाजिक समूहों के प्रतिनिधियों वाला 22-सदस्यीय 'बांग्लादेश-चीन मैत्री' प्रतिनिधिमंडल चीन के दौरे पर गया था। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य डॉ. अब्दुल मोईन खान के नेतृत्व वाले इस समूह में आठ राजनीतिक दलों और संगठनों के नेताओं के साथ-साथ शिक्षाविद, शोधकर्ता, छात्र नेता और पत्रकार भी शामिल थे।इसके बाद बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर के नेतृत्व में नौ सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल पिछले साल 22 जून को पांच दिनों की यात्रा पर चीन गया था। इसके बाद अगस्त में नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) के आठ नेता भी चार-दिवसीय यात्रा पर चीन गए थे। पिछले साल जनवरी में मोहम्मद यूनुस के पूर्व विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन भी बीजिंग गए और चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इसके बाद डॉ. मुहम्मद यूनुस भी चीन गये थे जहां उन्होंने भारत के नॉर्थ ईस्ट को लेकर विवादित बयान दिया था। इस साल सरकार बनाने के बाद बीएनपी के नेताओं का भी चीन के दौरे का सिलसिला जारी रहा। 17 फरवरी को बीएनपी के चेयरपर्सन तारिक रहमान ने देश के 11वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली। सरकार बनाने के कुछ ही समय बाद बीएनपी नेताओं ने अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए चीन को चुना। 16 अप्रैल को बीएनपी के महासचिव और स्थानीय सरकार मंत्री मिर्ज़ा फ़खरुल इस्लाम आलमगीर के नेतृत्व में 19 सदस्यों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल चीनी सरकार के निमंत्रण पर चीन गया। हालांकि प्रतिनिधिमंडल 16 अप्रैल को ही रवाना हो गया था लेकिन फ़खरुल ढाका से निकलने के बाद 20 अप्रैल को इसमें शामिल हुए। बीजिंग में सीपीसी की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए फ़खरुल ने 'वन चाइना' नीति के प्रति अपनी पार्टी और सरकार के समर्थन को दोहराया।

परमाणु डील पर झुक गया ईरान?दिया 14 सूत्रीय प्रस्ताव, 15 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकने को तैयार

तेहरान। तेहरानः ईरान ने युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने के अपने सबसे ताजा राजनयिक कदम के तहत अमेरिका को 14-सूत्रीय एक नया प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव में सबसे खास बात परमाणु हथियार पर बातचीत है। ऐसा लगता है कि ईरान अमेरिका पर युद्ध समाप्त करने और ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी हटाने का दबाव बनाने के लिए बाद में किसी तारीख पर परमाणु मुद्दों पर चर्चा करने की संभावना पेश कर रहा है। हालांकि अपने नवीनतम प्रस्ताव में ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम के संबंध में कोई रियायत देने की कोई पक्की प्रतिबद्धता नहीं जताई है। वहीं शनिवार को इस नए प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इसका अध्ययन कर रहे हैं लेकिन उन्हें पक्का यकीन नहीं है कि वह ईरान के साथ कोई समझौता कर पाएंगे। यह बात उन्होंने तब कही जब एक दिन पहले ही उन्होंने मध्यस्थ पाकिस्तान के जरिए तेहरान से मिले पिछले प्रस्ताव पर अपनी निराशा जाहिर की थी। तेहरान के प्रस्ताव के दूसरे चरण में कथित तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत शामिल है। प्रस्ताव के नौवें प्वाइंट में ऐसा लगता है कि ईरान परमाणु मुद्दों पर बाद में चर्चा करने की संभावना पेश कर रहा है ताकि संयुक्त राज्य अमेरिका पर युद्ध खत्म करने और ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी हटाने का दबाव बनाया जा सके। एक्सियोस ने 2 मई को प्रस्ताव की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान अगले महीने तक होर्मुज जलडमरूमध्य और युद्ध की समाप्ति के संबंध में किसी समझौते पर पहुंच जाते हैं तो ईरान एक महीने तक परमाणु वार्ता करने पर सहमत हो जाएगा। अल जज़ीरा ने बताया कि ईरान ने '15 साल तक' यूरेनियम संवर्धन को रोकने के 'विचार पर चर्चा करने' की पेशकश की है। यह पिछली ईरानी पेशकशों के मुकाबले काफी लंबी अवधि है। पहले ईरान ने पांच वर्षों के लिए संवर्धन को रोकने का प्रस्ताव दिया था। ईरानी प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि संवर्धन में रुकावट खत्म होने के बाद ईरान 3.6 प्रतिशत तक संवर्धन कर सकता है।2015 के 'संयुक्त व्यापक कार्य योजना' (जेसीपीओए) के तहत ईरान को पहले 3.67 प्रतिशत तक संवर्धन करने की अनुमति थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वो

चाहते हैं कि ईरान यूरेनियम संवर्धन को हमेशा के लिए बंद कर दे- प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि ईरान अपने 'अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम' (एचईयू) के भंडार के 'भविष्य पर चर्चा करने' को तैयार है। इसके संभावित विकल्पों में इस भंडार को विदेश भेजना या इसे हल्का करना शामिल है। अमेरिका ने मांग की है कि ईरान अपना एचईयू भंडार उसे सौंप दे। प्रस्ताव में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि ईरान अपनी किसी भी परमाणु सुविधा को नष्ट नहीं करेगा। प्रस्ताव में ईरान की तरफ से अपने परमाणु कार्यक्रम में दी जाने वाली 'रियायतों' के बदले ईरान पर लगे प्रतिबंधों में ढील दिए जाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। इसी तरह 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने 1 मई को बताया कि ईरान के प्रस्ताव में 'अमेरिका की तरफ से प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बदले ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने की बात कही गई है।' ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने 3 मई को जोर देकर कहा कि ईरान का 14-सूत्रीय जवाबी प्रस्ताव पूरी तरह से युद्ध को खत्म करने पर केंद्रित है और इसमें परमाणु मुद्दों को शामिल नहीं किया गया है। इसीलिए सवाल ये है कि क्या परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान अब अमेरिका के सामने झुकने के लिए तैयार है। इरान की अर्थव्यवस्था को अमेरिकी नाकाबंदी से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और युद्ध शुरू होने के बाद से 20 लाख से ज्यादा लोग बेरोजगार हुए हैं। ईरान की सरकार को आशंका है कि बेरोजगारी विस्फोट से उसके खिलाफ लोग सड़कों पर उतर सकते हैं।

प्रथम राज्य स्तरीय थ्रो बॉल में प्रकाश जीनियस पब्लिक स्कूल ने जीता तृतीय स्थान,वैष्णवी, सुप्रिया, सुमित व अनुराग का यूपी टीम में चयन, जून में राजस्थान जाएगी टीम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एमएस इंटरनेशनल स्कूल वाराणसी में संपन्न हुई प्रथम राज्य स्तरीय थ्रो बॉल प्रतियोगिता में प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल की बालक एवं बालिका टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर जनपद व विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता समापन के बाद विद्यालय वापस लौटे छात्र-छात्राओं का विद्यालय प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने मिष्ठान वितरित कर स्वागत किया और आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे, प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव, खेल प्रशिक्षक दीपक कुमार श्रीवास्तव, मनोज कुमार दुबे, सुनील श्रीवास्तव, आकांक्षा, अपर्णा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा वैष्णवी और सुप्रिया पटेल एवं छात्र सुमित पटेल व अनुराग मौर्य का चयन उत्तर प्रदेश की टीम में हुआ है। यूपी की टीम जून में राजस्थान के लिए प्रस्थान करेगी।

बंगाल, असम और पुडुचेरी जीत पर भव्य जश्न,पटाखे, ढोल-नगाड़े और मिठाई खिलाकर किया खुशी का इजहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में मिली शानदार जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार किया प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, बृजेश पाठक, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, ने जश्न के दौरान एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और इस ऐतिहासिक जीत को जनसमर्थन की जीत बताया। ढोल-नगाड़ों पर कार्यकर्ताओं, युवाओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी आज देश की सबसे मजबूत और जन-आधारित राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। यह परिणाम केवल वोटों का आंकड़ा नहीं, बल्कि जन-विश्वास, राष्ट्रवाद और विकास की राजनीति की विजय है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी की रणनीतिक क्षमता तथा गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में पार्टी निरंतर नई ऊँचाइयों को छू रही है। विपरीत परिस्थितियों, चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद हमारे कार्यकर्ताओं ने जिस साहस और समर्पण के साथ कार्य किया, वह प्रेरणादायक है। बंगाल की धरती पर भाजपा का निरंतर बढ़ता जनाधार इस बात का प्रमाण है कि जनता अब परिवर्तन चाहती है और राष्ट्रहित की राजनीति को अपना रही है।

भंगेल में पानी एवं सीवर लाइन का हुआ शिलान्यास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महानगर क्षेत्र में नोएडा विधायक पंकज सिंह के निर्देश पर भंगेल गांव में गांव की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नई पानी एवं सीवर लाइनों के निर्माण कार्य का विधिवत ग्रामीणों द्वारा शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अमित त्यागी ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने के पश्चात भंगेल गांव में पेयजल आपूर्ति एवं सीवर निकासी से संबंधित समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाएगा, जिससे ग्राम वासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस शुभ अवसर पर मास्टर रविंद्र त्यागी, मंगूमल त्यागी, राजकुमार गोयल, राजकुमार कोरी, संदीप शर्मा, अरविंद तिवारी, लव त्यागी, यश कुमार, शाहनवाज चौहान, उज्जवल सिंह, वीरेंद्र सिंह, गांव के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिकों के साथ-साथ नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ग्राम वासियों ने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए विधायक पंकज सिंह का आभार व्यक्त किया।

डीएम ने निर्माणाधीन सभागार एवं पुस्तकालय का किया स्थलीय निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज अवध केसरी राणा बेनी माधव बख्श सिंह की स्मृति में निर्माणाधीन सभागार एवं पुस्तकालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुसार प्रगति पर है। शेष धनराशि शासन से समय पर प्राप्त होते ही कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण कर लिया जाएगा। परियोजना के प्रथम चरण (फेज-01) का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए।

सहकारिता भवन लखनऊ में हुआ भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का शपथ ग्रहण समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कौशांबी/लखनऊ। लखनऊ के सहकारिता भवन सभागार (विधानसभा मार्ग) में 2 मई 2026 को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और पत्रकारों को सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि मुनेश्वर मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष (भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ) एवं प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सिंह एवं जिला अध्यक्ष लखनऊ वीरेंद्र मिश्र, एवं मिडिया प्रभारी ओमप्रकाश सिंह, सहित आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। महासंघ की उत्तर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ, एवं सम्मान समारोह प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकारों, एवं संपादकों और साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर, प्रयागराज, कौशांबी, चित्रकूट, औरैया, सुल्तानपुर आदि जनपदों से आए संघ के पत्रकारों सामिल रहे। सुल्तानपुर से सत्य प्रकाश गुप्ता, एवं कौशांबी से प्रदेश प्रभारी सचिदानंद मिश्रा, उमेश कुमार, हिमाचल मौर्य, महेंद्र सेन, आदि पत्रकार गण शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहे।

थाना दुद्धी पुलिस द्वारा 01 बाल अपचारी को पुलिस हिरासत में लिया गया, चोरी की घटनाओं का अनावरण, माल बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक (आप0) श्री ऋषभ रुणवाल व क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। सोमवार को थाना दुद्धी पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु की चेकिंग के दौरान खजुरी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि रामनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास सब्जी मंडी की ओर सड़क किनारे मु0अ0सं0 100/2026 से संबंधित व्यक्ति खड़ा है जो कहीं जाने हेतु वाहन का इंतजार कर रहे हैं तथा भागने की फिराक में हैं। प्राप्त सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम द्वारा तत्परता एवं हिकमत अमली से 01 बाल अपचारी को पकड़ लिया गया, जिसे विधिक प्रक्रिया के तहत पुलिस हिरासत में लिया गया। कब्जे से लोहे का सब्बल, नगद 564/- रुपये, बोरी में रखा चोरी का नमकीन/बिस्कुट, कपड़ा धोने का पाउडर, सरसों का तेल, डीजल तेल, राजेश मसाला, मोर मसाला, साबुन (नहाने/धोने हेतु), रिन साबुन, गुटखा बरामद किया गया। बाल अपचारी मु0अ0सं0 100/2026 धारा 238, 305(ए), 317(2) बीएनएस थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र में वांछित था, जिसके संबंध में चोरी गया माल बरामद कर घटना का सफल अनावरण किया गया है। साथ ही आज की बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 132/2026 धारा 238, 305(ए), 317(2) बीएनएस थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र पंजीकृत किया गया है। अग्रेतर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। बरामदगी का विवरणः-लोहे का सब्बल, नगद 564/रु, बोरी में रखा चोरी का नमकीन/बिस्कुट,कपड़ा धोने का पाउडर, सरसों का तेल, डीजल तेल,राजेश मसाला, मोर मसाला,साबुन (नहाने/धोने हेतु) रिन साबुन, गुटखा, अभियुक्त को पुलिस हिरासत में लेने वाली टीमः-1. उ0नि0 श्री श्यामजी यादव थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 श्री सुरेन्द्र यादव थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 3. उ0नि0 श्री मनोज सिंह थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 लक्ष्मण सिंह यादव थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र।

थाना रायपुर पुलिस द्वारा बीएनएस से संबंधित 03 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक (आप0) श्री ऋषभ रुणवाल व क्षेत्राधिकारी सदर श्री राज सोनकर के निर्देशन में थाना रायपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।दिनांक 02.05.2026 को थाना रायपुर क्षेत्रान्तर्गत टेम्पो स्टैंड सरईगढ़ पर अभियुक्तगण द्वारा मजरूब मन्टू कुमार पुत्र विनोद शाह निवासी सिरसी थाना अधौरा जनपद कैमूर (बिहार) को जान से मारने की नीयत से बांस के डंडों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घायल को उपचार हेतु ट्रामा सेंटर वाराणसी में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। उक्त घटना के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-71/2026 धारा 109, 3(5), 115(2), 351(2), 352 बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। आज दिनांक 04.05.2026 को थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण-01. अभिमन्यु पासवान पुत्र संतोष पासवान, 02. वकील प्रजापति पुत्र सियाराम प्रजापति, 03. पिन्टू खरवार उर्फ परमानन्द पुत्र विमल खरवार समस्त निवासीगण ग्राम सरईगढ़ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र को आज दिनांक 04.05.2026 को समय करीब 07:30 बजे टेम्पो स्टैंड सरईगढ़ से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 02 अदद बांस के डंडे बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही करते हुए नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। बरामदगीः-घटना में प्रयुक्त 02 अदद बांस का डंडा,गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः-01. उ0नि0 शमशेर यादव थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 02. उ0नि0 नरेन्द्र प्रसाद सिंह थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 03. हे0का0 कृष्णा राय थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 04. हे0का0 अखिलेश थाना रायपुर जनपद सोनभद्र।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

बढ़ी न्यूनतम मजदूरी का हर हाल में हो भुगतान,ठेका मजदूर यूनियन ने सीजीएम अनपरा को दिया पत्रक,अनपरा परियोजना में मजदूरों से नहीं हो रहा विधि के अनुरूप व्यवहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को प्रदेश सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2026 से न्यूनतम मजदूरी में की गई वृद्धि का मई माह के वेतन में भुगतान करने और श्रम कानूनों का कड़ाई से अनुपालन कराने के संदर्भ में आज ठेका मजदूर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य महाप्रबंधक, अनपरा कार्यालय में पत्रक दिया और कार्मिक अधिकारी आकांक्षा राव से श्रमिक अधिकारों पर वार्ता भी की। पत्रक की प्रतिलिपि आवश्यक कार्रवाई के लिए एमडी उत्पादन निगम, डीएम और डीएलसी पिपरी को भी भेजी गई। प्रतिनिधिमंडल में यूनियन जिला मंत्री तेजधारी गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य मसीदुल्लाह अंसारी और विनोद यादव रहे। पत्रक में कहा गया कि 17 अप्रैल को न्यूनतम वेतन में वृद्धि करने की अधिसूचना प्रदेश सरकार ने जारी की है, जो 1 अप्रैल से लागू की गई है। इस अधिसूचना के अनुसार सोनभद्र में अकुशल श्रमिकों को 12356 रुपए, अर्धकुशल श्रमिकों को 13590 रुपए और कुशल श्रमिकों को 15224 रुपए मासिक वेतन का भुगतान मई माह में किया जाना है। बताया गया कि 1 मई को लखनऊ में आयोजित 'श्रम सम्मान समारोह' में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा कहा गया कि हर हाल में इस न्यूनतम मजदूरी का भुगतान मालिकों और प्रबंधन को करना है। मुख्यमंत्री जी ने तो यहां तक कहा कि जो लोग न्यूनतम मजदूरी का भुगतान नहीं करेंगे उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। इस पृष्ठभूमि में पत्रक में अनपरा तापीय परियोजना में जारी विधि के विरुद्ध कार्रवाई की दुखद स्थिति को लाते हुए बताया गया कि अभी भी बहुत सारे संविदाकार सरकार द्वारा तय न्यूनतम मजदूरी का भुगतान नहीं करते हैं। महिला मजदूरों को मनरेगा मजदूरी की दर से भी बेहद कम मात्र रु200 में काम दिया जाता है। महिला मजदूर समेत सिविल कार्य में लगे मजदूरों का गेट पास तक न बनाकर उनसे गैंग गेट पास के माध्यम से कार्य कराया जाता है। पूरी जिंदगी एक ही स्थान पर विधि के विरुद्ध स्थाई प्रकृति के कामों में ठेका मजदूरों से काम कराया जाता है और हद यह है कि 60 साल पर उनके रिटायर होने के बाद उन्हें ग्रेच्युटी तक का भुगतान नहीं किया जाता। परियोजना में कारखाना अधिनियम और हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना करते हुए मजदूरों को सुरक्षा उपकरण नहीं मिल रहे हैं, जिससे आए दिन मजदूर दुर्घटना में घायल व मृत होते रहते हैं। मजदूरों की स्वास्थ्य सुविधा के लिए भारत सरकार के आदेश के बावजूद ईएसआई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। श्रम कानून का खुलेआम उल्लंघन परियोजना में आम बात है। ऐसी स्थिति में मांग की गई कि प्रदेश सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी में की गई वृद्धि के अनुरूप मई माह के वेतन में न्यूनतम मजदूरी का भुगतान किया जाए, सीएम की घोषणा का सम्मान करते हुए परियोजना में न्यूनतम मजदूरी का कड़ाई से भुगतान सुनिश्चित हो और न्यूनतम मजदूरी न देने वाले संविदाकारों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, मजदूरों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए और ईएसआई की सुविधा हर मजदूर को दी जाए, अनपरा औद्योगिक क्षेत्र में ईएसआई अस्पताल खोला जाए और 60 साल पर रिटायर होने वाले ठेका मजदूरों को ग्रेच्युटी दी जाए और हर मजदूर को रोजगार कार्ड, हाजिरी कार्ड, वेतन पर्ची व बोनस मिलना सुनिश्चित जाए।

छात्रा को टैबलेट किया गया वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता के निर्देशानुसार जनपद में

छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह द्वारा सराहनीय पहल की गई है। इसी क्रम में आज कु0 वैष्णवी सिंह पुत्री मनोज सिंह, जो इंटरमीडिएट उत्तीर्ण कर वर्तमान में नीट परीक्षा की तैयारी कर रही हैं, को उनकी पढ़ाई में सहयोग हेतु टैबलेट प्रदान किया गया। छात्रा द्वारा मुख्य विकास अधिकारी से टैबलेट उपलब्ध कराए जाने हेतु अनुरोध किया गया था, जिसके क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा छात्रा को टैबलेट उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर छात्रा को नियमित रूप से अध्ययन करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य निर्माण हेतु प्रेरित किया गया। टैबलेट प्राप्त कर कु0 वैष्णवी सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी का आभार व्यक्त किया।

सांसद डॉ. महेश शर्मा 'चुनावी जादूगर', जहां जाते हैं वहां खिलता है कमल- विकास जैन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार

मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने गौतम बुद्ध नगर के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा की कार्यशैली और चुनावी प्रबंधन की जमकर सराहना की है। उन्होंने डॉ. शर्मा को भारतीय जनता पार्टी का 'चुनावी जादूगर' बताते हुए कहा कि वे जिस भी राज्य में चुनावी मोर्चे पर तैनात किए जाते हैं, वहां भाजपा की जीत सुनिश्चित हो जाती है।विकास जैन ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि डॉ. महेश शर्मा के पास संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और मतदाताओं के बीच पैठ बनाने की अद्भुत कला है। उनके जाने मात्र से ही कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हो जाता है और यह साफ हो जाता है कि भारतीय जनता पार्टी वहां भी अपनी जीत के झंडे गाड़ने जा रही है।हरियाणा, त्रिपुरा और बंगाल का दिया हवालाअपनी बात को पुष्ट करते हुए विकास जैन ने कहा कि हरियाणा और त्रिपुरा जैसे राज्यों में भाजपा की शानदार जीत डॉ. शर्मा की रणनीतिक कुशलता का प्रमाण है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के चुनावों का भी उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी डॉ. शर्मा ने विपरीत परिस्थितियों में पार्टी के लिए जो आधार तैयार किया, वह सबके सामने है। जैन के अनुसार, भाजपा आलाकमान का उन पर भरोसा इस बात का प्रतीक है कि वे पार्टी के सबसे भरोसेमंद संकटमोचकों में से एक हैं।व्यापारी वर्ग में खुशी की लहर युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. महेश शर्मा न केवल एक कुशल राजनेता हैं, बल्कि उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र गौतम बुद्ध नगर में भी विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनकी इस वैश्विक और राष्ट्रीय छवि से स्थानीय व्यापारियों और युवाओं में गर्व की अनुभूति होती है।

आईएमएस लॉ कॉलेज में आमजन को मिली निशुल्क कानूनी सहायता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाज के सभी वर्गों को न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आईएमएस लॉ कॉलेज में फ्री लीगल एड क्लिनिक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान की लीगल एड सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान बतौर विशेषज्ञ सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड अधिवक्ता आदर्श वर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। आईएमएस लॉ कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने बताया कि सोमवार को सेक्टर-62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों को निःशुल्क कानूनी सलाह प्रदान की गई, जिससे वे अपनी कानूनी समस्याओं का समाधान विशेषज्ञों से प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि 'नो फीस, जस्टिस फॉर ऑल' के संदेश के साथ आयोजित यह कार्यक्रम समाज सेवा एवं कानूनी सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। यह पहल समाज में न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों को कानूनी

सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता आदर्श वर्मा ने अपने अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर लोगों को संवैधानिक, सिविल एवं पब्लिक लॉ से संबंधित मामलों में मार्गदर्शन दिया। फ्री लीगल एड क्लिनिक के अंतर्गत स्थानीय निवासियों को पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद, उपभोक्ता मामलों, श्रम कानून, आपराधिक मामलों सहित अन्य कानूनी मुद्दों पर विस्तार से परामर्श प्रदान किया गया। आईएमएस लॉ कॉलेज के लीगल एड सोसाइटी के संयोजक डॉ. संतोष सती ने बताया कि यह पहल समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। प्रतिभागियों ने पारिवारिक कानून, संपत्ति एवं किरायेदारी विवाद, उपभोक्ता संरक्षण, श्रम एवं रोजगार संबंधी मामलों तथा आपराधिक कानून से जुड़े विभिन्न प्रश्न रखे। अधिवक्ता आदर्श वर्मा ने सभी प्रश्नों का धैर्यपूर्वक और विस्तार से समाधान करते हुए व्यावहारिक कानूनी सलाह प्रदान की और उपस्थित लोगों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी उपायों के बारे में स्पष्ट जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता मिल सके और समाज में न्याय के प्रति जागरूकता को और सशक्त किया जा सके।

स्मार्ट मीटर जनता की जेब पर सीधे डाका है-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता मोर्चा संयोजक संदीप मिश्र के साथ

जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुँच कर जोरदार प्रदर्शन जनहित की विभिन्न मागो को लेकर किया तथा सात सूत्रीय ज्ञापन माननीय मुख्यमन्त्री जी को सम्बोधित जिलाधु को दिया- 1 स्मार्ट मीटर जो लगाए गये हैं तत्काल हटाए जाय। 2जनपद के हमारे सभी श्रमिक भाई बहनो व रोजगार सेवक व मनरेगा कर्मचारी लोगों का समस्त लम्बित मानदेय मजदूरी भुगतान की जाय। 3 गेहूँ खरीद केन्द्र का जिलाधिकारी जी निरिक्षण कर दोषियो पर कार्यवाही की जाय। 4 हर घर नल योजना की सीबीआई जांच की जाय साथ ही पूरे जनपद के परिवारि जनो को टैंकर से पेयजल उपलब्ध कराया जाय। 5 मेडिकल कालेज की दुर्व्यव्यवस्था को ठीक करके जिलाधिकारी जी की अध्यक्षता में एक निगरानी समिति बनायी जाय। 6 प्रचण्ड गर्मी को देखते हुए धधरौल की घाघर कैनाल व नगवा की नहर तत्काल खोली जाय। 7 धधरौल डैम के उपर के रास्ते पर जो गेट लगाकर बन्द किया गया है उसे तत्काल खोला जाय। आज के कार्यक्रम में मोर्चा के संयोजक के साथ प्रमुख रूप से विन्दू खरवार मुखलाल चेरो आकाश चौहान शत्रुधन बिन्द अमन पासवान विवेक जाटव विनय पासवान सुरज कनौजिया सजय बियार नगेन्द्र धागर सोमारू पनिका विजय पटेल दिनेश चेरो सत्यम पाण्डेय सूरज पवन अजय बादल व सैकड़ों मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान-बिहार समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश-यूपी के 64 जिलों में अभी भी अलर्ट,कश्मीर में लैंडस्लाइड से बारामूला-उरी रोड बंद

लखनऊ। राजस्थान, बिहार और उत्तराखंड समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। राजस्थान में रविवार को

खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। दौसा के लालसोट और कोटपूतली-बहरोड़ के नारायणपुर में ओले गिरे। यूपी में आंधी-बारिश जारी है। आज कानपुर, सुल्तानपुर और बाराबंकी समेत 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। लखनऊ में सुबह-सुबह तेज हवा चल रही है। वहीं पिछले 24 घंटे में जालौन सबसे गर्म शहर रहा। यूपी के सुल्तानपुर में पेड़ की डाल गिरने से एक की मौत हो गई। राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ में आंधी के साथ बारिश हुई। ओले भी गिरे। कई झुग्गी-झोपड़ियां उजड़ गईं। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक जाम रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 19 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज और 8 जिलों में यलो अलर्ट है। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में रविवार को तेज बारिश के साथ ओले गिरे। उत्तराखंड के भी 11 जिलों में बारिश हुई। नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओले भी गिरे। जम्मू-कश्मीर के लघामा में लैंडस्लाइड के बाद बारामूला-उरी नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया। ट्रैफिक को उरी की ओर बांदी-परानपिलन-दाची मार्ग से डायवर्ट किया गया है। रविवार को राजस्थान के फलोदी में 44.8डिग्री और महाराष्ट्र के वर्धा में 43.5डिग्री तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज 13 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 राज्यों में आंधी के साथ बिजली गिरने की आशंका है। आज 5 मई- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ बिजली गिरने का अनुमान है। यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। असम, मेघालय और अरुणाचल में कुछ जगह भारी बारिश का अनुमान है। 6 मई-पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश होगी। यूपी, राजस्थान, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में बारिश के साथ बिजली गिरने का अनुमान है।

हर चमकदार चीज हीरा नहीं होती-हिदायतउल्ला,समाज का चेहरा हैं पत्रकार-मनीषा,न्यायाधीश ने दिलाई पत्रकार पदाधिकारियों को शपथ

आईएफडब्लूजे कि जिला इकाई ने मेधावी छात्रों व समाजसेवियों का किया सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल/म.प्र। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (आईएफडब्लूजे) के संभागीय, जिला एवं ब्लाक इकाइयों का शपथ ग्रहण एवं

सम्मान समारोह 1 मई को जय विलास पैलेस, पाली रोड शहडोल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम में न्यायपालिका, जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों एवं सैंकड़ो कि संख्या में पत्रकारों की उपस्थिति ने इसे प्रदेश स्तर का महत्वपूर्ण आयोजन बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. न्यायाधीश हिदायतउल्ला खान (इंदौर) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक मनीषा सिंह एवं प्रांत महासचिव रामगोपाल बंसल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र गौतम ने की। वहीं प्रदेश संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी के साथ नेशनल काउंसलर गोपाल दास बंसल, मनोज सिंह, अनिल द्विवेदी, कमलेश श्रीवास्तव, रामबाबू चौबे, लुकमान अली व

प्रदेश सचिव जुनैद खान, अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। पत्रकारों की कलम जनमानस की आवाज : न्यायाधीश-समारोह के दौरान मुख्य अतिथि न्यायाधीश हिदायतउल्ला खान ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। अपने उद्बोधन में उन्होंने पत्रकारिता की भूमिका को लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ बताते हुए कहा कि पत्रकार अपनी निष्पक्ष और सजग कार्यशैली से समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम जनमानस की आवाज होती है, जो हर परिस्थिति में सत्य को सामने लाने का माध्यम बनती है। उन्होंने वर्तमान समय में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 'हर चमकदार चीज हीरा नहीं होती', इसलिए पत्रकारों को खबरों की सत्यता की गहन जांच-परख करना आवश्यक है। उन्होंने जुआ और सट्टे को सामाजिक व कानूनी अपराध बताते हुए कहा कि पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे मुद्दों को उजागर कर समाज को जागरूक करें। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस पहल की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने आईएफडब्लूजे की इस पहल को रचनात्मक एवं समाजोन्मुखी बतातें हुए कहा कि आगामी 9 मई को नेशनल लोक अदालतों का आयोजन होगा जिसमें पक्षकारों को सुलभ न्याय मिलने से उनके समय और धन की बचत होगी। लोक अदालत में दोनों पक्षो के मध्य जहां एक और सुलह कराई जाती है वहीं विद्युत व नगरीय निकाय के प्रकरणो का भी निराकरण होता है। पत्रकारों का काम मेहनत वाला : मनीषा सिंह-कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि विधायक मनीषा सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहडोल में भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ का यह कार्यक्रम प्रदेश स्तर का है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाये कम है। उन्होने कहा कि पत्रकार देश दुनिया की बातों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करते हैं। पत्रकारो का काम मेहनत वाला है उनकी लेखनी से समाज और देश का विकास होता है हम सब एकजुट होकर कार्य करेंगे तो विकास की अपार संभावनाये बढ़ेगी। अंत में उन्होने कहा कि यह कार्यक्रम आदिवासी अंचल के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। विधायक नें सम्मानित मेधावी विद्यार्थियो को बधाई देकर उनका हौंसलाफजाई किया। दायित्वों के निर्वहन में नारद जी की प्रेरणा-उपेन्द्र गौतम-अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र गौतम ने आईएफडब्लूजे के इतिहास और विस्तार पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संगठन की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी और आज इसका विस्तार अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हो चुका है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के प्रेरणास्रोत आदि पत्रकार महर्षि नारद हैं,

जिन्होंने संवाद और संतुलन की परंपरा को स्थापित किया। उन्होंने उपस्थित पत्रकारों से अपील की कि वे प्रेस कांउसिल ऑफ़ इंडिया के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य पीड़ित मानवता की सेवा और समाज हित में कार्य करना है, जिससे समाज में विश्वास और सम्मान दोनों बढ़ते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपेन्द्र गौतम ने सभी पदाधिकारियों एवं पत्रकार साथियों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकजुटता ही संगठन की मजबूती व पत्रकारों की ताकत है और सामूहिक प्रयासों से ही पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा की जा सकती है। समारोह का समापन सम्मान वितरण एवं आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिससे आयोजन को व्यापक जनसमर्थन मिला। नेशनल काउंसलर व पदाधिकारी सम्मानित-कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से नेशनल काउंसलर गोपालदास बंसल, अनिल दिवेदी, कमलेश श्रीवास्तव, मनोज सिंह, रामबाबू चौबे, लुकमान अली व संभागीय अध्यक्ष विजय उरमलिया, शहडोल जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र तिवारी, अजय पाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ की गई। इस अवसर पर शहडोल संभाग के कई पत्रकार साथियों ने आईएफडब्लूजे की सदस्यता ग्रहण किए। कार्यक्रम का सफल संचालन संगठन के संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा एवं संभागीय उपाध्यक्ष अरुण द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पत्रकारों में अखिलेश पाण्डेय, विश्वास हलवाई, संजीव निगम, विष्णु प्रताप सिंह के साथ अनूपपुर, उमरिया एवं शहडोल जिले कि ब्लॉक इकाई ब्यौहारी, जयसिंहनगर, गोहपारू, सोहागपुर जैतपुर एवं बुढार के पत्रकार साथी उपस्थित रहें.मेधावी विद्यार्थियों व समाजसेवियों का सम्मान-इस दौरान उन छात्र-छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया गया, जिन्होंने राज्य एवं जिला मेरिट में स्थान प्राप्त कर स्कूल और जिले का नाम रोशन किया। कक्षा 10वीं में सुश्री अरायना गुप्ता ने 490 अंक (98फीसदी) के साथ राज्य मेरिट में स्थान हासिल किया, जबकि सुश्री राधिका गुप्ता ने 489 अंक (97.8फीसदी) के साथ जिला मेरिट में जगह बनाई। कक्षा 12वीं में सुश्री माही मिश्रा ने 483 अंक (96.6फीसदी) के साथ कला संकाय में राज्य मेरिट में स्थान प्राप्त किया। वहीं सुश्री सर्विका शुक्ला (गणित), सुश्री सरिता राय (जीवविज्ञान), अभि दास रॉय (गणित), सुश्री नादिया रोशन (कला), सुश्री माही मिश्रा (वाणिज्य) एवं सुश्री रिमझिम मिश्रा (कला) ने भी उत्कृष्ट अंक अर्जित कर जिला मेरिट में स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाले लीनस क्लब शहडोल डायमंड से मेघा गुप्ता एवं निकिता सोनी, दिव्य मुस्कान से छाया गुप्ता, कायस्थ समाज से रमा निगम, दिशा वेलफेयर एसोसिएशन से रुपाली सिंघई तथा अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान, शहडोल से गौरव मिश्रा को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उपस्थित जनों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इंस्पेक्टर रीता सिंह को बढगढ़ थाना प्रभारी बनाए जाने पर 'आधुनिक समाचार' की ओर से बधाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चित्रकूट। पुलिस विभाग में हाल ही में हुए प्रशासनिक फेरबदल के तहत इंस्पेक्टर रीता सिंह को बढगढ़ थाने का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके इस महत्वपूर्ण दायित्व संभालने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। इंस्पेक्टर रीता सिंह अपने कुशल नेतृत्व, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जानी जाती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विभिन्न थानों में अपनी सेवाओं के दौरान कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके अनुभव और कार्यशैली से बड़गद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है। 'आधुनिक समाचार' परिवार की ओर से इंस्पेक्टर रीता सिंह को इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में बड़गद थाना क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और न्याय व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भी उनकी नियुक्ति का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि वे जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाएंगी।

नीट परीक्षा सकुशल सम्पन्न-आयोजित परीक्षा में 2592 अभ्यर्थियों में 2548 उपस्थित एवं 44 अनुपस्थित रहें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ एवं अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह ने आज नीट परीक्षा को कुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि नीट परीक्षा में कुल 2592 अभ्यर्थियों में से 2548 अभ्यर्थी उपस्थित व 44 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें।अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के 06 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी केन्द्रों पर अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी की गई।

जिले में मानक और मान्यता विहीन विद्यालयो का संचालन,शिक्षा विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता, एवं शैक्षिक भ्रष्टाचार के संबंध में अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में व्याप्त शैक्षिक अव्यवस्थाओं एवं बढ़ते भ्रष्टाचार के विरुद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल द्वारा जिलाधिकारी सोनभद्र को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संचालित गंभीर अनियमितताओं और शिक्षा के गिरते स्तर पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि जनपद में अनेक विद्यालय बिना मानक एवं मान्यता के संचालित हो रहे हैं, जो पूर्णतः नियमों के विरुद्ध है। साथ ही, जिले में कोचिंग संस्थानों की स्थिति भी अत्यंत चिंताजनक है जहां शिक्षा विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता की आशंका व्यक्त करते हुए बताया गया कि इन संस्थानों में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों का प्रवेश लिया जा रहा है, जिससे शैक्षणिक गुणवत्ता लगातार प्रभावित हो रही है। अभिभावकों से मनमानी फीस वसूली, अनावश्यक रूप से स्टेशनरी एवं यूनिफॉर्म खरीदने हेतु दबाव, तथा केवल परीक्षा के समय विद्यार्थियों को बुलाकर धन उगाही करने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। कई महाविद्यालय ऐसे हैं जहाँ नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होतीं, विद्यार्थी पूरे वर्ष अनुपस्थित रहते हैं और केवल परीक्षा देने के लिए उपस्थित होते हैं, जिससे ये संस्थान शिक्षा के केंद्र न होकर मात्र आर्थिक लाभ का साधन बन गए हैं। फार्मेसी एवं अन्य महाविद्यालयों में प्रयोगशाला, योग्य फैकल्टी, बुनियादी ढांचा एवं समुचित प्रबंधन का अभाव भी उजागर किया गया। इन कमियों के कारण विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है और शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। जहाँ केवल 15 कोचिंग संस्थानों को ही मान्यता प्राप्त है, वहीं इससे कहीं अधिक संख्या में कोचिंग सेंटर अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। शिक्षा का नया सत्र प्रारंभ हो गया है, फीस वृद्धि,पुनः प्रवेश,कापी किताब,ड्रेस के नाम पर बेलगाम स्कूलों की मनमानी और शिक्षा विभाग का जांच के नाम पर फेलियर दिखावा शुरू हो गया है। कुछ दिनों तक ये ड्रामा चलेगा और अंत में 'ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो जाएगी। जांच के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी सज सवर कर किताब की दुकान पर पहुंचते है और दुकान पहले से ही बंद मिलती है। इसके अतिरिक्त, एबीवीपी ने जिलाधिकारी महोदय से मांग की कि ऐसे सभी अवैध विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने, मानकों का कड़ाई से पालन कराने एवं विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो परिषद जनहित में व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनमोहन निषाद,विभाग संयोजक सौरभ सिंह प्रांत संयोजक अनमोल सोनी, जिला संयोजक ललितेश मिश्र, प्रांत एइए सह संयोजक राहुल जलान, तहसील संयोजक योगेश, आशुतोष, सिद्धार्थ आदि लोग मौजूद रहें।

CEIR पोर्टल के माध्यम से 336 खोए मोबाइल फोन (कीमत लगभग रु65 लाख) बरामद कर स्वामियों को लौटाए

साइबर क्राइम के क्षेत्र में सोनभद्र पुलिस की बड़ी सफलता,12.03.2026 से अब तक 66 पीड़ितों को रु27,26,442/- की धनराशि कराई गई वापस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में साइबर अपराधों की रोकथाम, खोए/गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी तथा आमजन को त्वरित तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में सघन अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जनपद पुलिस को उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। उक्त अभियान के तहत सर्विलांस सेल, एसओजी टीम तथा जनपद के समस्त थानों की संयुक्त टीमों द्वारा CEIR (Central Equipment Identity Register) पोर्टल के माध्यम से तकनीकी विश्लेषण एवं सतत मॉनिटरिंग करते हुए माह मार्च 2026 से अब तक कुल 336 खोए मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग रु65 लाख है, सफलतापूर्वक ट्रेस कर बरामद किए गए। बरामद किए गए मोबाइल फोन को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया गया। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रूणवाल द्वारा पीड़ितों को मोबाइल फोन वितरित किए गए। अपने बहुमूल्य मोबाइल पुनः प्राप्त होने पर नागरिकों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि माह फरवरी 2026 में भी 151 मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए गए थे। इसी क्रम में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल साइबर क्राइम) श्री अनिल कुमार के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी (सहायक नोडल साइबर क्राइम) श्री हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपदीय साइबर सेल/साइबर क्राइम पुलिस थाना एवं साइबर हेल्प डेस्क द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। परिणामस्वरूप दिनांक 12.03.2026 से अब तक साइबर ठगी से प्रभावित 66 पीड़ितों की कुल रु27,26,442/- की धनराशि उनके बैंक खातों में सुरक्षित वापस कराई गई है। इसके अतिरिक्त, माह फरवरी 2026 (01.02.2026 से 11.03.2026) के दौरान 86 पीड़ितों की रु35,86,160/- की धनराशि भी वापस कराई जा चुकी है। यह सफलता एनसीआरपी पोर्टल पर सतत निगरानी, साइबर हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान, संदिग्ध खातों को तत्काल होल्ड कराना, डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण तथा बैंकों के साथ समन्वय के माध्यम से प्राप्त की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन द्वारा इस उपलब्धि के लिए सर्विलांस सेल, एसओजी टीम एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। जनपद सोनभद्र पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

दुध्दी तहसील में तड़ित चालक यंत्र लगाने की उठाई मांग,आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने डीएम, एनएचआरसी और मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

आकाशीय बिजली से हो रही मौतें सरकारी उपेक्षा का नतीजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आकाशीय बिजली से हो रही है आकस्मिक मौतों पर रोक के लिए दुद्धी तहसील में तत्काल बड़े पैमाने पर तड़ित चालक यंत्र लगाने के संबंध में कार्रवाई हेतु आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री और अध्यक्ष, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को ईमेल से पत्र भेजा है।एआईपीएफ के जिला सचिव इंद्रदेव खरवार ने भेजे पत्र में कहा है कि बभनी क्षेत्र के चौना गांव में शनिवार शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो बच्चियों की मौत की दर्दनाक घटना बेहद दुखद है। चौना गांव की 9 वर्षीय अर्चना पुत्री विष्णु दयाल तथा 8 वर्षीय आस्था पुत्री राजेश कुमार की आकाशीय बिजली से मृत्यु हो गई। वहीं कुछ दूरी पर खड़े गांव के ही 12 वर्षीय बालक हर्ष पुत्र देवनारायण घायल हो गया। यह इस क्षेत्र की पहली और इकलौती घटना नहीं है। इस पहाड़ी- पठारी क्षेत्र में हालत इतनी बुरी है कि प्रत्येक वर्ष आकाशीय बिजली के प्रकोप के कारण निरीह ग्रामीणों की आकस्मिक मौतें होती रहती हैं और उनके परिवारजन इस त्रासदी को झेलते हैं। इस संबंध में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की तरफ से दुद्धी तहसील के पहाड़ी-पठारी अंचल में आकाशीय बिजली से बचाने के लिए तड़ित चालक यंत्र लगाने की उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन से लगातार मांग की गई है। लेकिन दुखद यह है कि आज तक समुचित कार्रवाई नहीं हुई और ना ही तड़ित चालक यंत्र लगाए गए। स्पष्टतः यह नागरिकों के जीवन की रक्षा के भारतीय राज्य के दायित्वों का खुला उल्लंघन है और इस क्षेत्र के प्रति सरकार की गैर जवाबदेह व उपेक्षित रवैए को प्रदर्शित करता है। अतः निवेदन किया गया है कि दुध्दी तहसील के पठारी-पहाड़ी अंचल में आकाशीय बिजली के प्रकोप से रक्षा के लिए तत्काल तड़ित चालक यंत्र लगाने का आदेश देने का कष्ट करें ताकि आम लोगों के जीवन की रक्षा हो सके। साथ ही चौना गांव में मृत व घायल बच्चों के परिवार जनों को समुचित मुआवजा दिलाने का निर्देश देने का भी कष्ट करें।

आनलाइन व्यापार का कड़ा विरोध जताया गया आनलाइन के कारण छोटे व्यापारियों का हो रहा नुकसान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन की प्रांतीय बैठक होटल मैरियाड लखनऊ में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश अग्रवाल ने भी किया साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में राजनीति में व्यापारियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया। संगठन प्रदेश अध्यक्ष/आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने पदाधिकारीयों को संबोधित करते हुए कहा कि एक और जहां संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है वहीं दूसरी ओर संगठन सदैव अपने पदाधिकारीयों के साथ खड़ा है हमारा संगठन व्यापारियों की हर समस्याओं के निराकरण हेतु प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र के जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा ने जीएसटी, ट्रिब्यूनल ऑनलाइन व्यापार, औद्योगिक क्षेत्र एवं सिटी अस्पताल की मांग किया। श्री शर्मा ने जीएसटी की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि जीएसटी प्रक्रिया को एक ओर जहां अधिक सरलीकृत किये जाने की आवश्यकता है वहीं दूसरी ओर पेट्रोल पंप लगाने हेतु वैट में रजिस्ट्रेशन कराना टेढ़ी खीर है क्योंकि वैट का पोर्टल ही नहीं खुलता है। उन्होंने ऑनलाइन व्यापार कड़ा विरोध करते हुए कहा कि इससे छोटे व्यापारियों का व्यवसाय पूरी तरह समाप्त होता जा रहा है उनके समक्ष रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ज्यादातर जनपदों में न तो पार्किंग की व्यवस्था है न हीं ट्रांसपोर्ट नगर है माल लोडिंग एवं अनलोडिंग करते समय भारी भरकम चालान हो जाता है जनपदों में अस्थाई पार्किंग, ट्रांसपोर्ट नगर की व्यवस्था की जाए। पटरी के अंदर खड़ी गाड़ियों का चालन न किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग बंधु एवम् व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक इस उद्देश्य से कराती है कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान एक ही पटल पर हो जाए। कई बार एक ही समस्या को कई बैठकों में उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं में एक है परंतु इसका सत्र प्रतिशत लाभ इसलिए भी नहीं मिल पा रहा है कि बैंकों में कई महीने फाइल डंप रहती है जबकि सरकार का स्पष्ट आदेश है कि 15 दिन के अंदर फाइल दूसरे पटल पर भेज दी जाए। प्रांतीय बैठक में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिला अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष एवं शहर अध्यक्ष मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI, ALLAHABAD

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

ALL TYPE PRINTING SOLUTION
Enjoy Publicity

रबाडा ने गुलाटी मारकर सेलिब्रेट किया शेडगे का विकेट,सिराज ने पहले ओवर में लगातार बॉल पर विकेट झटके-मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के

46वें मैच में पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। मैच के पहले ही ओवर में सिराज ने लगातार दो गेंद पर 2 विकेट झटके। पंजाब के बल्लेबाज सूर्यांश शेडगे ने आईपीएल में अपनी पहली फिफ्टी लगाई। उनका विकेट लेने के बाद गेंदबाज कगिसो रबाडा ने गुलाटी मारकर जश्न मनाया। गुजरात के गेंदबाज मानव सुथर के एक ओवर में 27 रन बने। पढ़िए गुजरात-पंजाब मैच में बने टॉप मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स- पहले मैच के टॉप-3 रिकॉर्ड्स-1. आईपीएल 2026 में सिराज ने तीसरी बार पहली ओवर में विकेट लिया-पंजाब के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पहले ही ओवर में दो विकेट लिए। उन्होंने प्रियांश आर्या और जेवियर बार्टलेट को लगातार गेंद पर आउट किया। छ्व्र् 2026 में यह तीसरी बार है कि उन्होंने पहले ओवर में विकेट चटकाया। इस लिस्ट में जोफ्रा आर्चर पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने इस सीजन 5 बार ऐसा कारनामा किया है। 2. इस सीजन गुजरात ने पावरप्ले में 18 विकेट झटके-

पंजाब के खिलाफ गुजरात के गेंदबाजों ने पावरप्ले में 3 विकेट झटके। आईपीएल 2026 में अब तक गुजरात के गेंदबाजों ने कुल 18 विकेट चटकाए हैं। टीम इस मामले में तीसरे नंबर पर है। पहले नंबर राजस्थान रॉयल्स है, जिन्होंने 21 विकेट लिए हैं, जबकि 19 विकेट के साथ रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम दूसरे नंबर पर है। 3. सुदर्शन 24 की उम्र तक सबसे ज्यादा 50 से अधिक स्कोर वाले तीसरे बल्लेबाज-24 वर्षीय साई सुदर्शन ने पंजाब के खिलाफ 57 रन की पारी खेली। उन्होंने अब तक आईपीएल में 18 फिफ्टी लगाई है। वह 24 साल की उम्र तक सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शुभमन गिल टॉप पर हैं, जिन्होंने 24 फिफ्टी लगाई थी। 20 फिफ्टी के साथ यशस्वी जायसवाल दूसरे नंबर पर हैं। यहां से मैच के टॉप-10 मोमेंट्स-1. कैच का मौका छूटा, फिर अगली दो बॉल पर सिराज को विकेट-मैच का पहला ओवर

किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं था। पंजाब किंग्स की पारी में मोहम्मद सिराज ने पहला ओवर डाला। पहली गेंद गेंद पर प्रियांश ने पुल शॉट लगाया, लेकिन गेंद टॉप-एज लेकर फाइन लेग की ओर गई। विकेटकीपर जोस बटलर ने पीछे दौड़ते हुए कैच के लिए छलांग लगाई, लेकिन गेंद उनसे थोड़ी दूर रह गई। इसकी अगली ही गेंद पर प्रियांश का कट शॉट, डीप बैकवर्ड पॉइंट पर खड़े निशान्त सिंधु की ओर गई, जिन्होंने शानदार लो कैच पकड़ा। इसकी अगली ही गेंद पर कूपर कॉनोली भी शून्य पर कैच आउट हो गए। 2. रबाडा ने विकेट मेडन ओवर डाला-पंजाब किंग्स की पारी में पावरप्ले के आखिरी ओवर में कगिसो रबाडा ने विकेट मेडन ओवर डाला। पहली बॉल डॉट रही। रबाडा ने दूसरी गेंद 152 किमी/घंटा की स्पीड से डाली। बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने कवर के ऊपर से मारने की कोशिश की, लेकिन वह ठीक से टाइम नहीं कर पाए और गेंद सीधे फील्डर मानव सुथर के हाथों में चली गई। इसके बाद बैटिंग करने आए नेहल वढेरा अगली 4 गेंद पर कोई रन नहीं बना सके। 3. मानव सुथर ने एक ओवर में 27 रन दिए-पंजाब के बल्लेबाज सूर्यांश शेडगे ने पारी 14वें ओवर में मानव सुथर की गेंद पर खूब रन बटोरे। गुजरात के लेफ्ट आर्म स्पिनर की पहली गेंद पर स्टोइनिस ने सिंगल लिया। इसके बाद शेडगे ने पांचों गेंद को बाउंड्री के बाहर पहुंचाया। उन्होंने दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार दो छक्के जड़े। इसके बाद लगातार दो चौके लगाए और आखिरी गेंद को डीप मिड-विकेट के ऊपर से छह रन के लिए भेज दिया। सुथर के इस ओवर में 27 रन बने। 4. सूर्यांश शेडगे ने आईपीएल में अपनी पहली फिफ्टी लगाई-पंजाब के सूर्यांश शेडगे ने गुजरात के खिलाफ आईपीएल की अपनी फिफ्टी लगाई। पारी के 15वें ओवर में राशिद खान की आखिरी गेंद को सूर्यांश ने मिड-विकेट की ओर खेला और अपने 50 रन पूरे किए। उन्होंने महज 24 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की। 5. रबाडा का गुलाटी मारकर सेलिब्रेशन-पंजाब की बल्लेबाजी के 16वें ओवर में कगिसो रबाडा ने अजब-गजब सेलिब्रेशन किया। रबाडा ने ओवर की आखिरी गेंद पर सूर्यांश शेडगे को विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों कैच आउट कराया। विकेट लेने के बाद रबाडा ने मैदान पर 'गुलाटी' मारकर खास जश्न मनाया। 6. जेसन होल्डर ने 2 गेंद पर 2 विकेट लिए-पहली पारी के 18वें ओवर मे जेसन होल्डर ने लगातार गेंद पर दो विकेट लिए। ओवर की चौथी गेंद पर उन्होंने मार्कस स्टोइनिस को वाशिंगटन सुंदर के हाथों कैच आउट कराया। इसकी अगली ही गेंद पर होल्डर ने जेवियर बार्टलेट को शानदार इन-स्विंगर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। गेंद ने बार्टलेट के बैट को चकमा देते हुए ऑफ-स्टंप ले उड़ी। 7. मानव सुथर ने यान्सन का कैच छोड़ा-19वें ओवर में अरशद खान की गेंद पर मार्को यान्सन को जीवनदान मिला। ओवर की दूसरी गेंद पर यान्सन ने 'नो-लुक' शॉट खेलने की कोशिशि की, लेकिन गेंद ज्यादा दूर नहीं गई। डीप स्क्वायर लेग से दौड़कर आए मानव सुथर गेंद के नीचे तो पहुंच गए, लेकिन गेंद उनके हाथों से छिटक गई। कैच का मौका गंवाने पर गेंदबाज अरशद ने अपना माथा पकड़ लिया। 8. गुजरात की पारी में 27 गेंद तक बाउंड्री नहीं लगी-पंजाब किंग्स की पारी में मिडिल ओवर्स में 27 गेंद तक एक भी बाउंड्री नहीं आई थी। 11वें ओवर में गुजरात के बल्लेबाज निशांत सिंधु ने इस सूखे को खत्म किया। ओवर की तीसरी गेंद विजयकुमार वैशाख ने शॉर्ट लेंथ डाली। निशांत ने बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगा दिया। इसके पहले 6वें ओवर की 5वीं गेंद पर आखिरी बाउंड्री लगी थी, जब साई सुदर्शन ने मार्को यान्सन की गेंद पर छक्का लगाया था। 9. कूपर कॉनोली ने शानदार डाइविंग कैच पकड़ा-रनचेज के 19वें ओवर में पंजाब के फील्डर कूपर कॉनोली ने शानदार डाइविंग कैच पकड़ा। ओवर की 5वीं गेंद अर्शदीप सिंह ने गुड लेंथ गेंद डाली। गुजरात के बल्लेबाज जेसन होल्डर ने काउ कॉर्नर की तरफ शॉट खेला, लेकिन डीप मिड-विकेट से दौड़ते हुए कूपर कॉनोली ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ लिया। 10. सुंदर के छक्के से जीता गुजरात-मैच के आखिरी पलों में गुजरात को जीत के लिए 2 गेंद पर 3 रन बनाने थे। स्ट्राइक पर 34 रन बनाकर खेल रहे वॉशिंगटन सुंदर थे। मार्कस स्टोइनिस ने 5वीं गेंद यॉर्कर डालने की कोशिश की, लेकिन चूक गए। सुंदर ने उसे फुल टॉस बनाते हुए स्कूप शॉट खेला और डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही गुजरात ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

क्या आपकी भी नींद से चौक के उठने के कारण नींद पूरी नहीं होती,'एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम,कारण और रिस्क फैक्टर्स

नयी दिल्ली। कभी-कभी सोते वक्त या नींद से ठीक पहले अचानक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई देती है। पल भर के लिए ऐसा लगता है, जैसे कोई बम फट गया हो, दरवाजा जोर

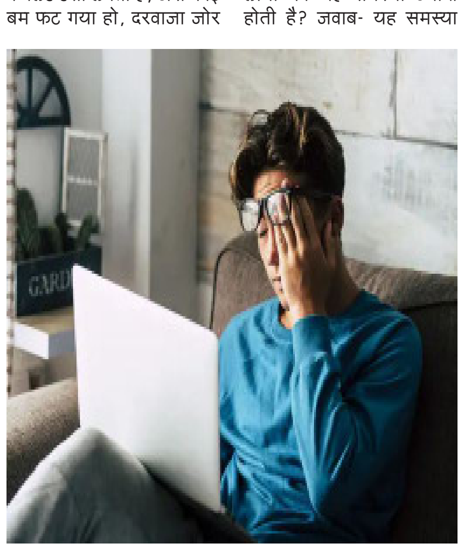

से बंद हुआ हो या बिजली गिरी हो। डर से नींद टूट जाती है और हार्ट बीट बढ़ जाती है। यह एक 'स्लीपिंग कंडीशन' है, जिसे 'एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम' कहते हैं। इसमें सुनाई देने वाली आवाज असली नहीं होती, बल्कि दिमागी भ्रम होता है। इससे घबराहट और नींद टूटने की समस्या हो सकती है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन लोगों को ये दिक्कत ज्यादा होती है? कब डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है? इससे बचाव के तरीके क्या हैं?सवाल-

नींद में अचानक तेज धमाके जैसी आवाज क्यों सुनाई देती है? जवाब- पल्मोनोलॉजिस्ट डॉक्टर पीयूष गोयल बताते हैं कि सोने और जागने के बीच ब्रेन का कंट्रोल सिस्टम कुछ सेकेंड के लिए इंबैलेंस हो जाता है। उसी समय ब्रेन ऐसे सिग्नल बनाता है, जिससे तेज आवाज का अहसास होता है, जबकि असल में कोई आवाज नहीं होती। सवाल- क्या यह कोई बीमारी है या ब्रेन का नॉर्मल रिएक्शन है? जवाब- डॉक्टर पीयूष कहते हैं कि यह कोई बीमारी नहीं है। यह दिमाग का असामान्य, लेकिन हार्मलेस रिएक्शन है। नींद के दौरान ब्रेन धीरे-धीरे रेस्ट मोड में जाता है। कभी-कभी इसमें रुकावट होती है। ऐसे में ब्रेन अजीब सिग्नल बनाने लगता है। इससे तेज आवाज का भ्रम होता है। मेडिकल टेस्ट में रिपोर्ट नॉर्मल आती है। ब्रेन, नर्व्स या कान में कोई खराबी नहीं मिलती। ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम) जैसे टेस्ट भी सामान्य आते हैं। इसलिए डॉक्टर इसे ब्रेन की अस्थायी कंडीशन मानते हैं। ज्यादातर लोगों को यह समस्या जिंदगी में एक-दो बार होती है और अपने आप ठीक हो जाती है। सवाल- क्या इससे ब्रेन या शरीर को कोई नुकसान होता है? जवाब- नहीं, इससे कोई नुकसान नहीं होता। इसके कारण ब्रेन में कोई स्ट्रक्चरल डैमेज नहीं होता। दिमाग की नसें, ब्रेन सेल्स और कान सुरक्षित रहते हैं। इस कंडीशन में दर्द नहीं होता। इसमें सिर्फ डर, घबराहट, तेज हार्ट बीट या पसीना आता है। डर के कारण कुछ लोगों की नींद खराब हो सकती है। इसका असर धीरे-धीरे कम हो जाता है। सवाल- क्या यह हार्ट अटैक, स्ट्रोक या ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है? जवाब- आमतौर पर ऐसा नहीं होता। एक्सप्लोडिंग हेड सिंड्रोम का हार्ट अटैक, स्ट्रोक या ब्रेन ट्यूमर से सीधा संबंध नहीं है। पहली बार होने पर लोग डर जाते हैं। उन्हें लगता है कि ब्रेन में गंभीर रिएक्शन हुआ है। जबकि मेडिकल टेस्ट में यह किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सिर्फ तेज आवाज सुनाई देना आमतौर पर बीमारी का संकेत नहीं है। अगर इसके साथ शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, बोलने में दिक्कत या दर्द जैसे लक्षण हों तो टेस्ट कराना चाहिए। सवाल- किन लोगों को यह समस्या ज्यादा होती है? जवाब- यह समस्या किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। लेकिन कुछ लोगों में इसका खतरा ज्यादा होता है। डॉक्टर मानते हैं कि स्ट्रेस और थकान से ब्रेन सोते समय पूरी तरह रेस्ट मोड में नहीं जा पाता। इससे नींद का बैलेंस बिगड़ता है। कुछ मामलों में यह जेनेटिक भी हो सकता है।सवाल- इस कंडीशन में घबराने की बजाय क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले यह समझें कि यह खतरनाक कंडीशन नहीं है। इसलिए- खुद को शांत रखें।गहरी सांस लें। डर से दिल की धड़कन तेज हो सकती है। इसके लिए तैयार रहें। रोज एक तय समय पर सोएं। रोज 7-8 घंटे की क्वालिटी स्लीप लें। सोने से पहले मोबाइल और स्क्रीन से दूरी रखें। रिलैक्सेशन एक्सरसाइज करें। डीप ब्रीदिंग, ध्यान या हल्की स्ट्रेचिंग करें। ज्यादा थकान और तनाव से बचें। अगर आवाज के बाद नींद टूट जाए तो खुद को याद दिलाएं कि यह ब्रेन का सिर्फ इंबैलेंस्ड रिएक्शन भर है, असली धमाका नहीं। धीरे-धीरे ब्रेन इस डर से बाहर आ जाता है। सवाल- कब डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है? जवाब- अगर यह समस्या बार-बार होने लगे तो डॉक्टर से मिलना जरूरी है। कुछ कंडीशंस में डॉक्टर ईईजी, एमआरआई या स्लीप टेस्ट करा सकते हैं। इससे यह पक्का किया जाता है कि कोई दूसरी बीमारी तो नहीं है। ज्यादातर मामलों में जांच सामान्य आती है, जिससे मरीज को मानसिक राहत मिलती है। सवाल- क्या इसमें दवाओं की जरूरत पड़ती है या ये अपने आप ठीक हो जाती है? जवाब- अधिकतर मामलों में यह समस्या बिना दवा के ठीक हो जाती है। इसके अलावा- सिर्फ स्लीप क्वालिटी सुधारने और स्ट्रेस कम करने से भी आराम मिलता है। अगर ये समस्या बार-बार हो और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही हो, तब डॉक्टर दवाएं दे सकते हैं। ये दवाएं आमतौर पर नर्व्स को रिलैक्स करने के लिए होती हैं। जैसे कुछ एंटीडिप्रेसेंट या एंटी-सीजर दवाएं। ज्यादातर लोगों को सिर्फ सही जानकारी और लाइफस्टाइल सुधार से राहत मिल जाती है। सवाल- इस समस्या से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- इसके लिए पूरी नींद लेना सबसे जरूरी है। साथ ही कुछ और बातों का ख्याल रखें। जैसेकि- रोज एक ही समय पर सोने और उठने की आदत डालें। सोने से पहले मोबाइल, टीवी और लैपटॉप बंद करें।

कैफीन, शराब और स्मोकिंग कम करें। बहुत ज्यादा थकान हो तो तुरंत न सोएं। पहले थोड़ा रिलैक्स करें। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान या वॉक करें। पीठ के बल सोने से कुछ लोगों में समस्या बढ़ती है, इसलिए साइड में सोने की कोशिश करें। अगर दवाएं ले रहे हैं, तो उन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के अचानक बंद न करें।

गर्मियों में न खाएं ये 10 चीजें,डाइटीशियन से जानें इनके हेल्दी विकल्प, सादा और ताजा खाएं, लिक्विड डाइट पर जोर दें

लखनऊ। गर्मियों में शरीर की जरूरतें बदल जाती हैं। इसलिए खानपान में भी बदलाव की जरूरत होती है। लेकिन लोग स्वाद के लिए अक्सर डीप फ्राइड और स्पाइसी फूड खाते हैं, जो सेहत के लिए

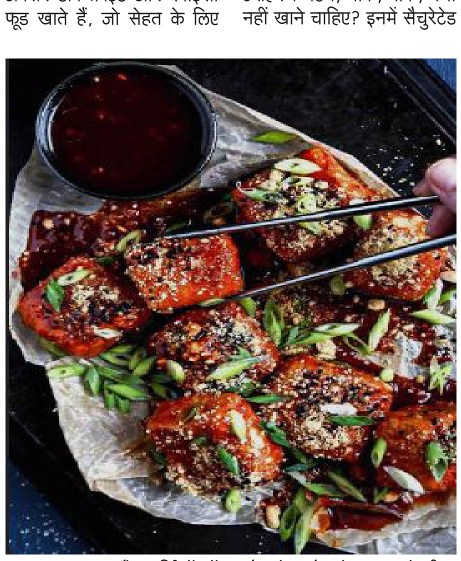

नुकसानदायक हैं। गर्मियों में खानपान में थोड़ी सी लापरवाही डिहाइड्रेशन, एसिडिटी, अपच और थकान का कारण बन सकती है। ऐसे में फिट और एनर्जेटिक रहने के लिए यह जानना जरूरी है कि गर्मियों में क्या खाएं और क्या नहीं खाएं। इसलिए आज 'जरूरत की

खबर' में बात करेंगे कि गर्मियों में कौन सी चीजें नहीं खानी चाहिए। साथ ही जानेंगे-गर्मियों में खाने के लिए हेल्दी विकल्प क्या हैं? ऐसी कौन सी चीजें हैं, जिनकी तासीर गर्म होती है? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मी के मौसम में कौन-सी चीजें नहीं खानी चाहिए? जवाब- गर्मियों में शरीर को अंदर से ठंडा रखना जरूरी है। इसलिए डीप फ्राइड, मसालेदार और जंक फूड से बचें। इनसे डिहाइड्रेशन, एसिडिटी और थकान हो सकती है। गर्मियों में कौन-सी चीजें नहीं खानी चाहिए-अब समझते हैं कि गर्मियों में ये फूड्स क्यों नहीं खाने चाहिए। डीप फ्राइड फूड उदाहरण- समोसा, कचौरी, पकौड़े, चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, क्यों नहीं खाने चाहिए? इनमें ट्रांस फैट और सैचुरेटेड फैट ज्यादा होता है। पचने में समय लगता है। इससे भारीपन, अपच, हीट और एसिडिटी बढ़ सकती है। शरीर में हीट और एसिडिटी बढ़ सकती है। अतिरिक्त कैलोरी जमा होने से सुस्ती और थकान बढ़ती है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? हाई शुगर फूड उदाहरण- मिठाइयां, केक, पेस्ट्री, आइसक्रीम, कैंडी, क्यों नहीं खाने चाहिए?, ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता-घटता है, जिससे एनर्जी क्रैश होता है। इससे डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है। इंसुलिन रेजिस्टेंस का रिस्क बढ़ता है। अतिरिक्त कैलोरी मोटापा बढ़ाती है। लंबे समय में टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ता है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? ताजे फल (तरबूज, खरबूजा) घर का बना शरबत (आमपना, बेल का शरबत) नारियल पानी, खजूर या किशमिश (सीमित मात्रा में) फ्रूट सलाद, हाई सोडियम (नमक) फूड, उदाहरण- नमकीन, चिप्स, अचार, पैकेज्ड स्नैक्स क्यों नहीं खाने चाहिए? ज्यादा सोडियम से शरीर में फ्लूइड बैलेंस बिगड़ता है। डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ता है। वाटर रिटेंशन हो सकता है। ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। किडनी पर दबाव पड़ता है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? रोस्टेड मखाना/चना दही और छाछ ताजे फल, सलाद, कैफीन ड्रिंक्स, उदाहरण- चाय, कॉफी, एनर्जी ड्रिंक्स क्यों नहीं पीने चाहिए? कैफीन डाइयूरेटिक है, जिससे बार-बार यूरिन आता है। डिहाइड्रेशन हो सकता है। हार्ट रेट और बेचैनी बढ़ सकती है। नींद प्रभावित हो सकती है। एसिडिटी बढ़ सकती है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? नींबू पानी छाछ, नारियल पानी, हर्बल टी, बेल का शरबत/आम पन्नारेड मीट, उदाहरण-मटन, बीफ, पोर्क, क्यों नहीं खाने चाहिए? इनमें सैचुरेटेड फैट होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे अपच और गैस हो सकती है। शरीर में हीट प्रोडक्शन बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। भारीपन और सुस्ती होती है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? दालें और राजमा पनीर टोफू बॉइल्ड चिकन मूंग दाल अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड उदाहरण-इंस्टेंट नूडल्स, पैकेज्ड फूड, बिस्किट,क्यों नहीं खाने चाहिए? इनमें सोडियम, शुगर, प्रिजर्वेटिव और अनहेल्दी फैट ज्यादा होता है। फाइबर और जरूरी पोषक तत्व नहीं होते हैं। ब्लड शुगर और वजन बढ़ सकता है। लंबे समय में मेटाबॉलिक डिजीज का रिस्क बढ़ता है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? घर का बना खाना मल्टीग्रेन रोटी, ओट्स, दलिया, ताजे फल, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, उदाहरण-सोडा-वाटर, कोल्ड ड्रिंक्स, एनर्जी ड्रिंक्स क्यों नहीं लेने चाहिए? इनमें हाई शुगर होता है, जो डिहाइड्रेशन बढ़ा सकता है। गैस के कारण ब्लोटिंग और गैस की समस्या होती है। एसिडिटी और पेट में जलन हो सकती है। न्यूट्रिशन न के बराबर होता है। ज्यादा सेवन से वजन बढ़ने का खतरा होता है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? सादा पानी, नींबू पानी, नारियल पानी, घर का शरबत, छाछ, बहुत ज्यादा बर्फ उदाहरण- आइस ड्रिंक्स, आइसक्रीम, क्यों नहीं लेना चाहिए? बहुत ठंडा पानी पाचन एंजाइम की एफिशिएंसी कम कर सकता है। ठंडी चीज गले में संक्रमण बढ़ा सकती है। कुछ लोगों में सिरदर्द हो सकता है। पेट में ऐंठन या असहजता हो सकती है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? सामान्य ठंडा पानी-मिट्टी के घड़े का पानी- हल्का ठंडा नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी। गर्मी में गर्म तासीर वाली चीजें कम खानी चाहिए। ये शरीर का तापमान बढ़ा सकती हैं। इनमें लहसुन-अदरक और गरम मसाले शामिल हैं। पानी से भरपूर चीजें ज्यादा लेनी चाहिए। जैसे-तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी, नारियल पानी, दही-छाछ, नींबू पानी, ये शरीर का तापमान संतुलित रखते हैं और डिहाइड्रेशन से बचाते हैं। बॉइल्ड स्नैक्स (चना, मूंग) रोस्टेड मखाना,भुना हुआ चना, स्टीम्ड स्नैक्स (ढोकला, इडली), एयर-फ्राइड स्नैक्स, बहुत मसालेदार खाना, उदाहरण-तीखी सब्जी, चाट, स्पाइसी ग्रेवी, गरम मसाले वाली डिश क्यों नहीं खाने चाहिए? मसाले गैस्ट्रिक म्यूकोसा (पाचन तंत्र की प्रोटेक्टिव लेयर) को उत्तेजित करते हैं, जिससे एसिडिटी बढ़ती है। ये शरीर में गर्मी बढ़ाते हैं। इससे पसीना और डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है। डाइजेस्टिव इश्यू वाले लोगों को समस्या बढ़ सकती है। हेल्दी विकल्प क्या हैं? हल्के मसाले वाली सब्जियां उबली या स्टीम्ड सब्जियां-दही से बनी डिशेज (कढ़ी, रायता), नारियल की चटनी, सादी खिचड़ी या दलिया।

धरती के पास आपके हर कदम का हिसाब, रोज 4 करोड़ पेड़ कटते हैं, 2100 ट्रक प्लास्टिक समुद्र में जाता है

नयी दिल्ली। धरती बचाने के 5 उपाय, जो आपके हाथ में परिवार यह अपना ले तो रोज 20 लीटर पानी बचा सकता है। यह समुद्री जीवन को नष्ट कर रहा है। इंसान हर हफ्ते 4.1 हर दिन वातावरण में औसतन 10 करोड़ टन से अधिक सीओ2 छोड़ी

हैं,1. पेड़ों को 'गोद' लें : अपने आसपास के पेड़ों की देखभाल करें और हर साल नए पौधे लगाएं। 2. प्लास्टिक से दूरी बनाएं : इस तरह माइक्रो प्लास्टिक आपकी फूड चेन में जाने से रुकेगा। 3. फूड बैंक की पहल करें : अतिरिक्त भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाएं, अन्न की बर्बादी रोकें। 4. सोलर एनर्जी अपनाएं : फॉसिल फ्यूल की तुलना में सौर ऊर्जा 90फीसदी कम प्रदूषण करती है। 5.लो-फ्लो नल लगाएं : अगर हर रोज 30 हजार हेक्टेयर वन नष्ट- दुनिया में हर दिन लगभग 25,000 से 30,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो जाता है। यानी रोज लगभग 4.1 करोड़ पेड़ काटे जाते हैं। इससे धरती बंजर हो रही है। इसलिए वातावरण में सीओ2 बढ़ रही है। धरती का औसत तापमान व भीषण बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। हमारे पेट में भी जा रहा है प्लास्टिक-हर दिन लगभग 2,100 ट्रक के बराबर प्लास्टिक समुद्रों में फेंका जाता है। यह सालाना 1.1 करोड़ टन होता है। माइक्रो ग्राम प्लास्टिक खा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।? 1 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है-सालाना 1 अरब टन से अधिक भोजन दुनिया बर्बाद कर रही है। हर दिन लगभग 25-30 लाख टन खाना कचरे में जा रहा है। यह धरती की देन का दुरुपयोग है। करोड़ों लोग भूखे सो रहे हैं। इस बर्बादी से बनने वाली 'मीथेन गैस' धरती का तापमान बढ़ा रही है। रोज 10 करोड़ टन कार्बन स्टोरेज-मानवीय गतिविधियों के कारण जाती है। इससे धरती की ओजोन परत नष्ट हो रही है। इसलिए ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। विनाशकारी हीटवेव (लू) चल रही हैं।रोज 345 अरब लीटर पानी बह रहा है-हर साल दुनिया में 126 अरब क्यूबिक मीटर साफ पानी बर्बाद होता है। यानी हर दिन लगभग 345 अरब लीटर साफ पानी हम बर्बाद कर रहे हैं। दुनिया की 25फीसदी आबादी 'वॉटर स्ट्रेस' से जूझ रही है और कई बड़े शहर 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहे हैं।

महिलाओं को लेकर चुनावी तीर क्या निशाने पर लगेगा?

आने वाले समय के चुनावों पर जरा एक नजर डालें। 2027 की शुरुआत में होने वाले यूपी के चुनावों में महिलाओं का वोट निर्णायक भूमिका निभाएगा। इसमें योगी आदित्यनाथ दक्षिण के चार राज्यों में सत्ता से बाहर हो जाएगा। 2027 में कांग्रेस को यह उम्मीद भी होगी कि वह उत्तर भारत में हिमाचल प्रदेश के साथ आम आदमी पार्टी-शासित पंजाब को भी बड़ा दांव महिलाओं का जनसांख्यिकीय समूह है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को महिलाओं के वोटों का उल्लेखनीय हिस्सा मिला था। एनडीए और इंडिया कि उसने उस विधेयक को हराकर महिलाओं को निराश किया, जो 2029 की प्रस्तावित 816 सीटों वाली लोकसभा में 272 महिला सांसदों को सशक्त बना सकता था। वहीं कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल और अन्य विपक्षी दल अब अल्पसंख्यक वोटों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने के लिए मजबूर होंगे। विपक्ष के लिए मुस्लिम वोट कितने अहम हैं, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के 21 प्रतिशत वोट-शेयर में से लगभग आधा हिस्सा अल्पसंख्यक वोटों से आने का अनुमान था। वहीं हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में पश्चिम बंगाल में तृणमूल के लिए मुस्लिम वोटों की अहमियत का विश्लेषण किया गया। अध्ययन का निष्कर्ष था कि पिछले तीन विधानसभा चुनावों में तृणमूल की जीत में मुस्लिम वोट निर्णायक रहे थे। अध्ययन ने पांच ऐसे जिलों की पहचान की, जहां बड़ी मुस्लिम आबादी ने तृणमूल को स्पष्ट बढ़त दिलाई:मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दीनापुर, बीरभूम और साउथ 24 परगना। इन जिलों में अल्पसंख्यक मतदाताओं के कारण तृणमूल का वोट शेयर 48 से 36.7 प्रतिशत के बीच रहा। क्या संविधान संशोधन विधेयक की विफलता का असर 23 और 29 अप्रैल को होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा? संभवतः नहीं, क्योंकि अधिकांश मतदाता पहले ही अपना मन बना चुके हैं। लेकिन आने वाले चुनावों में भाजपा का महिलाओं पर केंद्रित यह चुनावी तीर निशाने पर लग सकता है। भाजपा को भरोसा है कि विपक्ष को महिला-विरोधी करार देकर वह महिला वोटरों में अपनी अपील को बढ़ा पाएगी। यह अपील पहले ही मजबूत है, क्योंकि भाजपा-नीत सरकारों ने महिलाओं के पक्ष में कई नीतिगत कदम लागू किए हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मिन्हाज मर्चेंट)

लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की कोशिश करेंगे। हालांकि असली लक्ष्य 2029 का लोकसभा चुनाव है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की एकजुटता ने भाजपा को 240 सीटों तक सीमित कर दिया था, जो 2014 के बाद उसका सबसे कम आंकड़ा है। वहीं कांग्रेस का मानना है कि 2026 के केरल विधानसभा चुनाव में जीत उसे दक्षिण भारत में चुनावी तौर पर मजबूत पकड़ देगी। कर्नाटक और तेलंगाना में पहले ही उसकी सरकारें हैं, जबकि तमिलनाडु में वह गठबंधन सहयोगी है। यदि केरल भी उसके पक्ष में जाता है, तो एनडीए गठबंधन आंध्र प्रदेश (जहां उसकी सहयोगी टीडीपी की सरकार है) को छोड़ अपने खाते में जोड़कर देशभर में अपने राज्यों की संख्या छह तक पहुंचा लेगी। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि इससे राहुल गांधी 2029 में नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के लिए मजबूत स्थिति में आ जाएंगे। इंडिया गठबंधन के कांग्रेस के इर्द-गिर्द सिमटने के साथ ही पार्टी को विश्वास होगा कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा-नीत एनडीए को हराने का उसके पास एक वास्तविक अवसर होगा।इस रुझान को पलटने के लिए भाजपा ने दो रणनीतियां अपनाई हैं। पहली है हिंदुत्व पर और अधिक जोर देना। पार्टी ने संघ के साथ अपने कथित मतभेद खत्म कर लिए हैं। अब वह भारत के हिंदू बहुसंख्यकवाद को कम करके नहीं आंकती। भाजपा का दूसरा गठबंधन के बीच वोट-शेयर का अंतर कम होने की स्थिति में महिलाओं का वोट एनडीए को निर्णायक बढ़त दिला सकता है। इसी के मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह ने भविष्य के भाजपा-नैरेटिव को गढ़ना शुरू कर दिया है। लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पारित न हो पाने के बाद उन्होंने इसीलिए विपक्ष को चेतावनी दी कि आप जहां भी वोट मांगने जाएंगे, आपको महिलाओं के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। इंडिया गठबंधन को भी एहसास है कि भाजपा ने महिलाओं के वोटर-समूह को साधने के लिए एक शक्तिशाली चुनावी नैरेटिव हासिल कर लिया है। अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर के चुनाव दो परस्पर विरोधी कथानकों के इर्द-गिर्द घूमेंगे। भाजपा विपक्ष पर आरोप लगाएगी

ईरान में अमेरिका के तमाम कथित लक्ष्य अधूरे रह गए हैं

इजराइल और अमेरिका ईरान के खिलाफ जो जंग लड़ रहे हैं, उसकी शुरुआत उन्होंने बड़े नाटकीय ढंग से की थी। लेकिन आज इस जंग को जीतने का दावा करने वाले- खासकर अमेरिका- जिस तरह गतिरोध वाली हालत में फंसे हैं, वह भी उतना ही नाटकीय है। 'नाटकीयता' का तत्व ईरान के शीर्ष आध्यात्मिक, सैन्य, वैचारिक एवं बौद्धिक नेतृत्व की हत्या में निहित था और गतिरोध का तत्व हार मानने से ईरान के जिद्दी इनकार में निहित है। इन सबसे कुछ सवाल उभरते हैं। हत्याएं क्या आपके दुश्मन के सफाए की गारंटी हो सकती हैं? क्या इससे बेहतर कोई समझदारी वाला तरीका हो सकता है? क्या इजराइल-अमेरिका गठबंधन अपनी खास चाल चलना भूल गया? क्या ऐसे किसी और युद्ध का इतिहास हमें कुछ और सिखाता है? भारत के जो अनुभव रहे हैं उनसे क्या कुछ सीख मिलती है? इनमें से पहले सवाल को छोड़ बाकी के जवाब हां हैं। इजराइल अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लंबे समय से लड़ रहा है। वह इसलिए निराश होगा कि ईरान में सरकार नहीं बदली। लेकिन ईरान कमजोर हुआ है, उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है और उसका मिसाइल सिस्टम काफी हद तक खत्म हो गया है- ये सब कम कीमत पर मिली बड़ी सफलताएं हैं। लेबनान में भी हिज्बुल्ला का कमजोर होना उसके लिए फायदा ही है। अगर इजराइल अपने आसपास की स्थिति देखते हुए अपने लिए थोड़ा समय चाहता था, तो यह अच्छी रणनीति थी। लेकिन अमेरिका का क्या? वह ईरान में सत्ता बदलना चाहता था, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहता था और खाड़ी देशों (जीसीसी) को सुरक्षा का भरोसा देना चाहता था। इन तीनों में वह सफल नहीं हो पाया।ईरान में वही सरकार बनी रही, बल्कि अब ज्यादा कट्टरपंथी लोग सत्ता में आ गए हैं। जहां तक यूरेनियम का सवाल है, ईरान उसे वापस करने या अपने परमाणु कार्यक्रम को निगरानी में लाने को तैयार नहीं है। उसके मिसाइल लॉन्चर जरूर कम हुए हैं, लेकिन उन्हें रोकने वाले सिस्टम भी कम हो गए हैं। जब-जब ट्रम्प या उनके 'सेक्रेटरी ऑफ वार' पीट हेगसेथ कहते हैं कि ईरान की नौसेना और वायुसेना खत्म हो गई है, तब हंसी आती है।

केवल बचत से आप अमीर नहीं बनेंगे...

अक्सर हम सोचते हैं कि पैसा बचाना ही अमीरी का रास्ता है, लेकिन हकीकत अलग है। हाल ही में मेरी नजर ब्रिटेन के एक बैंकर टिम टॉबमैन की वेबसाइट 'thecrazyplan.com' पर पड़ी। टिम ने 2024 में इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत की थी। उनका दावा रोमांचक है: एक नौसिखिया निवेशक को 'शून्य' से 'अरबपति' बनाने का सफर। यहां 1 अरब डॉलर (करीब 9,400 करोड़ रुपए से अधिक) की बात हो रही है, जो सुनने में शायद नामुमकिन लगे। लेकिन इस वेबसाइट की असली खूबसूरती उनके द्वारा दी जाने वाली वित्तीय शिक्षा में छिपी है। टिम कहते हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार वॉरेन बफे (95 साल) की संपत्ति 150 अरब डॉलर (करीब 1.42 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा है। लोग बफे की कामयाबी की चर्चा तो करते हैं, लेकिन उन तीन बुनियादी बातों को भूल जाते हैं जिन्होंने उन्हें 'दिग्गज' बनाया...लंबी उम्र: वे 95 वर्ष के हैं और आज भी सक्रिय हैं। निरंतरता: वे पिछले 80 से अधिक वर्षों से निवेश कर रहे हैं। सादगी: वे अपनी कमाई से बहुत कम खर्च करने और अनुशासन के साथ जीने के लिए जाने जाते हैं। टिम का क्रेजी प्लान यह दिखाता है कि कोई भी व्यक्ति अकल्पनीय संपत्ति बना सकता है। उनकी वेबसाइट दो योजनाओं पर टिकी है थली प्लान: हर महीने 50 पाउंड (करीब 6,400 रुपए) की बचत।एकमुश्त प्लान: एक बार में 10,000 पाउंड (करीब 12.8 लाख रुपए) का निवेश। टिम के कैलकुलेशन के अनुसार, लम्प-सम प्लान एक अरब डॉलर तक पहुंचने में 77 साल और मंथली को 86 साल 8 महीने लगेंगे। इस ब्लॉग में बफे के निवेश सिद्धांतों के कई संदर्भ दिए गए हैं। टिम का कहना है कि बफे ने इस नजरिए से सोचना शुरू किया कि निवेश उनकी परिवार की आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या मायने रख सकता है।

आमतौर पर एक निवेशक परिवार के लिए 30-40 साल का समय लेकर चलता है, लेकिन यदि इसी समय सीमा को बढ़ाकर 80 साल कर दिया जाए, तो हर कोई बफे बन सकता है। इसे ऐसे समझें:करीब 13 लाख रुपए की राशि 50 साल में बढ़कर 268 करोड़ रुपए हो सकती है, लेकिन वही राशि 80 साल में 18 हजार करोड़ का विशाल फंड बन जाती है!मैनेजमेंट टिप: याद रखिए बचत से आप अमीर नहीं बन सकते और दौलत रातोरात नहीं बन सकती। ये लंबी यात्रा है। अनुशासित निवेश से न केवल भविष्य सुरक्षित करते हैं, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव भी रखते हैं। (एन. रघुरामन)

आपको मशीनों से प्यार है तो एक एआई-प्रूफ नौकरी आपके इंतजार में है

बचपन से ही उसे अपने खिलौने खोलकर फिर से जोड़ना पसंद था, हालांकि वह इसमें विफल होता था। फिर, स्कूली दिनों में वह पिता की कार से छेड़छाड़ करता और उसे ठीक करने की कोशिश करता। कभी ठीक कर भी देता, लेकिन कभी-कभी उसके पिता को मैकेनिक का भारी बिल चुकाना पड़ता था।

लेकिन पिता को इससे फर्क नहीं पड़ता था। उन्होंने उसे अपनी महंगी कार के साथ खेलने दिया। पेशे से पायलट पिता मानते थे कि मैकेनिकल माइंडसेट वाले लोग ही एआई को मात दे सकते हैं। लड़का बड़ा हुआ और पिता की तरह मशीनें उड़ाने का सपना देखने लगा।

लेकिन उसकी आंखों की रोशनी इस लायक नहीं थी।

अब हाई स्कूल का यह लड़का एक दूसरी नौकरी की ट्रेनिंग ले रहा है, जो उसे छह अंकों की सैलरी वाली एविएशन जॉब दिलवाएगी। पिछले छह वर्षों में इस नौकरी की मांग पायलट से भी ज्यादा है।

दरअसल, उसके पिता जैसे लोग इन विशाल मशीनों को तब तक नहीं उड़ा सकते, जब तक ये लोग उनकी एयरवर्थिनेस को प्रमाणित न कर दें। क्योंकि पायलट जहां विमान उड़ाते हैं, वहीं टेक्नीशियन कानूनी तौर पर उनकी एयरवर्थिनेस के संरक्षक होते हैं। अभी यह 17 साल का लड़का अमेरिका के एक रीजनल एयरपोर्ट पर 10 हजार स्क्वायर फीट के हैंगर (जहां विमानों की मरम्मत होती है) में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस टेक्नीशियन (एएमई) की ट्रेनिंग ले रहा है।यकीन मानिए, ट्रेनिंग पूरी होते ही उसे किसी एयरलाइन में नौकरी मिल जाएगी, जहां उसकी सैलरी छह अंकों से शुरू होगी।

एविएशन इंडस्ट्री मशीनों के ऐसे दीवानों को पाकर खुश है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंडस्ट्री में उन लोगों की कमी हो रही है, जो विमानों की सुरक्षित और समय पर उड़ान को बनाए रखते हैं। 40इ से ज्यादा एविएशन मैकेनिक्स उम्रदराज हो रहे हैं और रिटायरमेंट के करीब हैं। कई तो 60 की उम्र पार कर एक्सटेंशन पर हैं।

अमेरिका जैसे देशों में एविएशन ट्रैफिक बहुत ज्यादा है। अगले साल अकेले नॉर्थ अमेरिका में करीब 7 हजार सर्टिफाइड मैकेनिक्स की कमी का अनुमान है। इसमें 15 हजार नॉन-सर्टिफाइड मेंटेनेंस स्टाफ शामिल नहीं हैं। इस कमी के कारण 2020 के बाद से एएमई की एंट्री लेवल सैलरी में 50इ से ज्यादा का इजाफा हुआ है। यह उन गिनी-चुनी नौकरियों में से है, जहां जॉइनिंग पर 75 हजार डॉलर तक का साइनिंग बोनस दिया जाता है।

सैलरी और ओवरटाइम मिलाकर सालाना पैकेज करीब 1.35 लाख डॉलर तक पहुंचता है। फिर भी एविएशन कंपनियां रिक्त पद नहीं भर पा रही हैं और कई बड़ी एयरलाइंस तो खुद के ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रही हैं। सोच रहे हैं कि उसकी यह यात्रा कैसे शुरू हुई?

यह हाई स्कूल के तुरंत बाद शुरू हो गई थी।

भारत और कई अन्य देशों में इसके लिए न्यूनतम योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएम) के साथ 10ृ2 है।

इसके लिए चार साल की डिग्री जरूरी नहीं, बल्कि आपको एक स्पेशलाइज्ड लाइसेंस-आधारित ट्रेनिंग प्रोग्राम करना होता है। यह आम गलतफहमी है कि अच्छी ट्रेनिंग सिर्फ विदेशों में ही उपलब्ध है।

हकीकत यह है कि भारत में इसका मजबूत ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसका नियमन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) करता है। भारत में कई ऊंचे दर्जे के सरकारी और निजी कॉलेज उपलब्ध हैं। इसके लिए यूरोप में ईएएसए पार्ट-147 सर्टिफाइड स्कूल्स या अमेरिका के एफएए अप्रूव्ड पार्ट-147 स्कूल्स देखे जा सकते हैं। कनाडा और जर्मनी जैसे देश अपनी एडवांस्ड एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधाओं के कारण इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए बड़े हब हैं।

पूरी ट्रेनिंग और पढ़ाई में करीब तीन साल लगते हैं। भारत में मई के दूसरे हफ्ते से जून के दूसरे हफ्ते तक कई सीईटी होते हैं। इनमें कई छात्र कैटेगरी बी लाइसेंस (मैकेनिकल के लिए बी1 या एवियोनिक्स के लिए बी2) हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। इसके लिए उन्हें डीजीसीए के कई मॉड्यूलर एग्जाम पास करने होते हैं और प्रैक्टिकल घंटे पूरे करने होते हैं।

फंडा यह है कि अगर आपको मशीनों से प्यार है तो कॅरिअर को एएमई की दिशा में ले जाने की कोशिश करें। यह एआई-प्रूफ और ऊंची कमाई वाली नौकरी है।एन. रघुरामन

क्यों शिक्षा किसी भी करियर की 'सबसे अहम बीज' है?

नागेश एक स्थानीय कॉलेज में लेक्चरर थे। उन्हें खुशी थी कि अपने खेतीबाड़ी के पारिवारिक पेशे की तुलना में उन्हें यहां विद्यार्थियों से खूब सम्मान मिलता था। उनका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर था और परिजनों को भरोसा था कि उनकी एक एकड़ जमीन हमेशा परिवार का पेट भरती रहेगी। इसी पारिवारिक दबाव के चलते 31 साल के इस लेक्चरर ने नौकरी छोड़ कर बेंगलुरु के निकट परिवार की जमीन पर खेती करने का फैसला किया।

खीरे की अच्छी फसल की उम्मीद में उन्होंने श्रीगंगाधरेश्वर ट्रेडर्स से संपर्क किया, जिसने उसे सुवर्णा हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के एफ-1 हाइब्रिड 'शांति कुकंबर' के बीज लेने का सुझाव दिया। नागेश ने 19 जुलाई, 2023 को 1750 रुपए में बीज के पांच पैकेट खरीदे और उसी दिन बो दिए। इसी दौरान उन्हें आईविज सीड्स के 'चित्रा कुकंबर' के दो पैकेट भी मिले और उन्होंने वो भी बो दिए। नागेश ने जमीन तैयार करने, खाद, मजदूरी, ट्रैक्टर किराया, क्यारी बनाने, बांस लगाने, सिंचाई का सामान लेने, उर्वरक और कीटनाशकों सहित खेती पर करीब 1.1 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन शुरुआत में ही समस्या आ गई।

खराब अंकुरण के कारण 'शांति कुकंबर' वाले पौधों की बढ़ोतरी रुक गई। यह फसल रंग और आकार में कमजोर रही।

नागेश ने आपत्ति जताई तो डीलर ने उन्हें निर्माता के पास भेजा।कंपनी के प्रतिनिधि खेत पर आए, फसल देखी, फोटो ली और मामला आगे भेजने का भरोसा दिया।

फिर एक और प्रतिनिधि एक अन्य व्यक्ति के साथ आया, जिसे वह वैज्ञानिक बता रहा था। उन्होंने भी आश्वासन दिया कि मुआवजे पर विचार करेंगे।

समुद्री जहाज पर चूहों वाला वायरस फैला,यात्रियों को उतरने की इजाजत नहीं, हंतावायरस से 3 की मौत,अफ्रीका तट पर जहाज रोका गया

प्राया। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर चूहों वाले

वायरल (हंतावायरस) संक्रमण का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है और कम से कम तीन लोग बीमार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और दक्षिण अफ्रीका स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को इसकी पुष्टि की। एमवी होंडियस नाम के इस

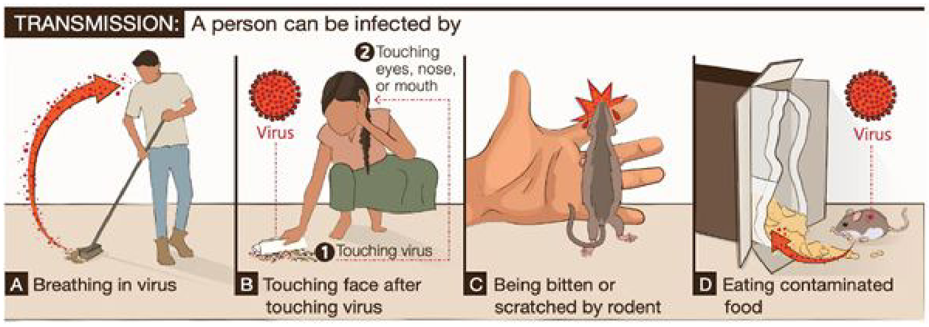

क्रूजशिप को फिलहाल अफ्रीकी देश केप वर्डे की राजधानी प्राया में रोका गया है। अभी यात्रियों को उतरने की अनुमति नहीं मिली है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि संक्रमण फैलने के खतरे को नियंत्रित किया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, जहाज पर 6 लोगों में संक्रमण जैसे लक्षण मिले हैं। इनमें से एक मामले की पुष्टि लैब में हो चुकी है। एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है, जबकि दो को जहाज से निकालने की तैयारी की जा रही है। यह भी अभी पता नहीं है कि सभी बीमार लोग हंतावायरस से संक्रमित हैं या नहीं। यह बीमारी आखिर कैसे और कहां से फैली है, इसकी जांच चल रही है। नीदरलैंड के झंडे वाला यह क्रूज शिप 20 मार्च को अर्जेंटीना के उशुआइया से रवाना हुआ था। इसके बाद यह दक्षिणी ध्रुव के आसपास के इलाकों में गया और फिर अटलांटिक पार करते हुए यूरोप की ओर बढ़ रहा था। इसे सबसे आखिर में स्पेन के कैनरी द्वीप तक पहुंचना था, जो अफ्रीका के पास अटलांटिक में स्थित एक प्रमुख पर्यटन क्षेत्र है। जहाज में कुल 170 यात्री और 71 क्रू सदस्य मौजूद हैं। इनमें एक डॉक्टर भी शामिल है। पहला मृतक 70 साल का एक व्यक्ति था, जिसकी मौत जहाज पर ही हो गई थी। वह अपनी पत्नी के साथ इस यात्रा पर था। इसके बाद उसका शव दक्षिण अटलांटिक में स्थित सेंट हेलेना में उतारा गया। उसकी पत्नी

बाद में दक्षिण अफ्रीका पहुंचीं, जहां से उन्हें अपने देश नीदरलैंड लौटना था। लेकिन एयरपोर्ट पर ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, वह बेहोश हो गईं और बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई। क्रूज चलाने वाली कंपनी ओशनवाइड एक्सपेडिशंस ने बताया कि तीसरे मृतक का शव अभी भी जहाज पर केप वर्डे में मौजूद है। संक्रमण कैसे फैला, इसकी जांच की जा रही-सबसे बड़ा सवाल यह है कि संक्रमण आया कहां से। अर्जेंटीना के जिस इलाके से जहाज रवाना हुआ, वहां हंतावायरस का कोई मामला दर्ज नहीं है। जहाज ऐसे क्षेत्रों में भी नहीं गया जहां यह वायरस आम है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि संक्रमण जहाज के अंदर हो

सकता है। चूहों के संपर्क में आने से फैलता है हंतावायरस-सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के मुताबिक, हंतावायरस व्यक्ति के चूहे या गिलहरी के संपर्क में इंसान के आने से फैलता है। यह मुख्य रूप से चूहों में होता है। इसके कारण चूहों में कोई बीमारी नहीं होती, लेकिन इंसानों की मौत हो जाती है। हंतावायरस का 1993 में पहली बार पता चला था। तब अमेरिका में एक कपल संक्रमित

होने के कारण मर गया था। इसके बाद कुछ ही महीनों में इस बीमारी से 600 लोगों की मौत हो गई थी। चूहे के यूरिन, मल और लार के संपर्क में आने पर इंसान संक्रमित हो जाते हैं। इसकी वजह से पल्मोनरी सिंड्रोम नाम की बीमारी होती है। 3 तरीके से फैलता है हंतावायरस पहलाः अगर वायरस का वाहक चूहा किसी इंसान को काट ले, हालांकि ऐसे मामले कम ही सामने आते हैं। दूसरा : किसी जगह या चीज पर मौजूद चूहे का मल-मूत्र या लार के संपर्क में इंसान आता है और अपने नाक-मुंह को छूता है। तीसरा : अगर इंसान ऐसी चीज खाता है जिस पर चूहे का मल-मूत्र या लार मौजूद हो। हंतावायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक वैज्ञानिकों के मुताबिक, हंतावायरस हवा के जरिए नहीं फैलता फिरभी कोरोना वायरस के मुकाबले ज्यादा खतरनाक है। इस बीमारी का कोई खास इलाज नहीं है, सिर्फ लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। गंभीर मरीजों को सांस लेने में मदद के लिए वेंटिलेटर की जरूरत पड़ सकती है। इस बीमारी में करीब 38फीसदी मरीजों की मौत हो जाती है। अगर मरीज बुजुर्ग हो

या पहले से कमजोर हो, तो खतरा और बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों ने अब तक हंतावायरस के 5 स्ट्रेन खोजे हैं, इनमें से सबसे ज्यादा खतरनाक अराराक्वॉरा वायरस है जिसका इन्फेक्शन होने पर डेथ रेट 54फीसदी पाया गया है। वही, एक दूसरा स्ट्रेन सिन नॉम्ब्रे वायरस है जिसके केस में डेथ रेट 40फीसदी है। तीसरा स्ट्रेन हंतान वायरस होता है। इसका डेथ रेट 5-10फीसदी के बीच है। इन तीनों में से किसी से इन्फेक्शन होने पर मौत का खतरा कोरोना की तुलना में कहीं ज्यादा हो सकता है। अब तक इसकी वैक्सीन तैयार नहीं हो सकी है और न ही कोई तय इलाज है। ऐसे मरीजों को विशेष केयर की जरूरत होती है और ऑक्सीजन थैरेपी दी जाती है। जितनी जल्दी मामला पकड़ में आता है उतना ही बेहतर है। अगर बीमारी गंभीर हो जाए, तो करीब 7-10 दिनों के अंदर मरीज की मौत हो सकती है। पिछले साल अमेरिकी अभिनेता की पत्नी की मौत हुई थी यह बीमारी पिछले साल भी चर्चा में आई थी, जब अमेरिकी अभिनेता जीन हैकमैन की पत्नी बेट्सी अराकावा की इससे मौत हुई थी। दोनों 26 फरवरी को अपने घर सांता फे में मृत पाए गए थे। उनके घर के आसपास चूहों के निशान भी मिले थे। बाद में पता चला कि 95 साल के हैकमैन की मौत 18 फरवरी को दिल की बीमारी से हुई थी। वहीं अराकावा का शव बाथरूम में मिला। अराकावा अपनी मौत से पहले लगातार इंटरनेट पर फ्लू जैसे लक्षण, सांस लेने के तरीके और कोविड जैसी बीमारियों के बारे में जानकारी खोज रही थीं। अमेरिका में 1993 से लेकर 2023 तक सिर्फ 890 मामले सामने आए हैं। ज्यादातर केस न्यू मेक्सिको राज्य में मिले हैं, जहां जीन हैकमैन और उनकी पत्नी रहते थे।

नेपाल बोला- भारतीय यात्री लिपुलेख से मानसरोवर न जाएं,ये हमारा इलाका,नेपाल के दावे का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं-भारत

काठमांडू।यहां से उत्तर-पश्चिम की तरफ कुछ दूरी पर एक और दर्रा है, जिसे लिंपियाधुरा कहते हैं। अंग्रेजों और नेपाल के

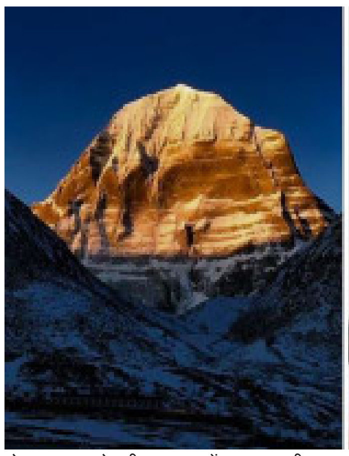

गोरखा राजा के बीच 1816 में हुए सुगौली समझौते में काली नदी के जरिए भारत और नेपाल के बीच सीमा तय की थी। समझौते के तहत काली नदी के पश्चिमी क्षेत्र को भारत का इलाका माना गया, जबकि नदी के पूर्व में पड़ने वाला इलाका नेपाल का हो गया। काली नदी के उद्गम स्थल, यानी ये सबसे पहले कहां से निकलती है, इसे लेकर दोनों देशों के बीच विवाद रहा है। भारत पूर्वी धारा को काली नदी का उद्गम मानता है। वहीं नेपाल पश्चिमी धारा को उद्गम धारा मानता है और इसी आधार पर दोनों देश कालापानी के इलाके पर अपना-अपना दावा करते हैं। लिपुलेख दर्रे से गुजरती है मानसरोवर यात्रा, चीनी सेना पर निगरानी भी आसान- उत्तराखंड के पिथौराढ़ जिले में स्थित कालापानी भारत-नेपाल-चीन के बीच रणनीतिक तौर पर बेहद महत्वपूर्ण ट्राई-जंक्शन है। कालापानी से भारत बहुत आसानी से चीनी सेना पर नजर रख सकता है। भारत ने पहली बार 1962 के युद्ध में यहां सेना तैनात की थी। इलाके के महत्व को देखते हुए इन दिनों यहां भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) तैनात है। भारत से मानसरोवर जाने वाले तीर्थयात्री इसी इलाके के लिपुलेख दर्रे से होकर गुजरते हैं। 1962 में चीन के हमले के बाद भारत ने लिपुलेख दर्रे को बंद कर दिया था। 2015 में चीन के साथ व्यापार और मानसरोवर यात्रा को सुगम बनाने के लिए इसे दोबारा खोला गया। मई 2020 में भारत ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को सुगम बनाने के लिए पिथौरागढ़ से लिपुलेख दर्रे तक 80 किमी लंबी नई सड़क का उद्घाटन किया था, जिसे लेकर नेपाल ने नाराजगी जताई थी। नेपाल ने 11 साल पहले भी विरोध जताया था-पीएम मोदी ने 2015 में चीन यात्रा के दौरान उन्होंने और तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग ने लिपुलेख के रास्ते व्यापार बढ़ाने का समझौता किया था। नेपाल ने उस समय भी इसका विरोध किया था, क्योंकि यह फैसला नेपाल से बिना सलाह के लिया गया था। नेपाल ने तब भारत और चीन को डिप्लोमेटिक नोट भेजे थे। 4 जुलाई

से शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा-विदेश मंत्रालय ने कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। इस साल भी यात्रा उत्तराखंड के लिपुलेख और सिक्किम के नाथुला दर्रे से संचालित होगी। दोनों रूट से 10-10 बैचों में कुल 1000 श्रद्धालु यात्रा करेंगे, जिनमें लिपुलेख रूट से 500 यात्री शामिल होंगे। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से संचालित होने वाली इस यात्रा का पहला बैच 4 जुलाई को दिल्ली से रवाना होगा। इससे पहले यात्रियों

को 30 जून से 3 जुलाई तक दिल्ली में मेडिकल, डॉक्यूमेंट और ब्रीफिंग की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस बार यात्रा को लेकर सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब लगभग पूरी यात्रा सड़क मार्ग से होगी। जहां पहले 60 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलना पड़ता था, वहीं अब कुल यात्रा में सिर्फ 38 किलोमीटर ट्रेक ही बचा है।

पूरी यात्रा 1738 किलोमीटर की होगी, जिसमें ज्यादातर दूरी वाहन से तय की जाएगी। दिल्ली में 4 दिन की तैयारी- यहीं से तय होता है सफर-यात्रा का पहला चरण दिल्ली से शुरू होता है। शेड्यूल के अनुसार यात्री 30 जून को दिल्ली पहुंचेंगे। 1 जुलाई को पासपोर्ट और वीजा फीस कलेक्शन के साथ दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट में स्वास्थ्य परीक्षण होगा।

2 जुलाई को आईटीबीपी बेस हॉस्पिटल में विस्तृत मेडिकल जांच की जाएगी। इसके बाद 3 जुलाई को विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग, चाइनीज वीजा, फॉरिन एक्सचेंज और केएमवीएन फीस जमा करने की प्रक्रिया पूरी होगी। इन चार दिनों में यात्रियों की पूरी स्क्रीनिंग हो जाती है और जो फिट पाए जाते हैं, वही आगे यात्रा के लिए रवाना होते हैं। 4 जुलाई को पहला दल दिल्ली से टेंपो ट्रैवलर के जरिए टनकपुर के लिए रवाना होगा, जहां रात में ठहराव होगा। अगले दिन टनकपुर से धारचूला पहुंचकर यात्रियों का रात्रि विश्राम होगा। तीसरे दिन धारचूला से गुंजी पहुंचा जाएगा। गुंजी इस यात्रा का अहम पड़ाव है, जहां यात्रियों को एक दिन रुककर मेडिकल जांच और शरीर को ऊंचाई के अनुसार ढालने (एक्लेमेटाइजेशन) की प्रक्रिया से गुजरना होता है। इसके बाद दल कालापानी होते हुए नाभीढांग पहुंचेगा और यहां रात में ठहरेगा।

अगले दिन लिपुलेख दर्रे को पार कर चीन के पुरांग काउंटी में प्रवेश किया जाएगा, जहां रात्रि विश्राम होगा। पुरांग में एक दिन रुकने के बाद यात्री मानसरोवर और राक्षस ताल के दर्शन करते हुए आगे बढ़ेंगे। इसके बाद तारकीन पहुंचकर झिरेपु गेस्ट हाउस में ठहराव होगा, जहां से कैलाश परिक्रमा शुरू होती है। परिक्रमा के दौरान यात्रियों को झिरेपु से जुन्झुई पु और फिर आगे बढ़ते हुए चुगू तक पहुंचना होता है।

इसी चरण में डोलमा पास पार किया जाता है, जो यात्रा का सबसे कठिन हिस्सा माना जाता है। लौटते समय- कैलाश से दिल्ली तक वापसी का पूरा प्लान-कैलाश परिक्रमा पूरी होने के बाद वापसी यात्रा चुगू से शुरू होती है। यहां से दल बस के जरिए पुरांग काउंटी पहुंचता है, जहां एक बार फिर ठहराव होता है। इसके बाद यात्रियों का दल लिपुलेख दर्रे के जरिए भारत में प्रवेश करता है और नाभीढांग होते हुए बुधी पहुंचता है। बुधी में रात्रि विश्राम के बाद अगला पड़ाव चौकोड़ी होता है, जहां पहुंचने के लिए जीप और टेंपो ट्रैवलर का उपयोग किया जाता है।चौकोड़ी से यात्रियों को अल्मोड़ा ले जाया जाता है। यहां एक रात रुकने के बाद अगला दिन यात्रा का अंतिम चरण होता है, जिसमें अल्मोड़ा से भीमताल और हल्द्वानी होते हुए दिल्ली पहुंचा जाता है। इस तरह पूरी यात्रा एक सर्कुलर रूट में पूरी होती है, जिसमें जाने और आने के रास्ते अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरते हैं, जिससे यात्रियों को कुमाऊं के अलग-अलग क्षेत्रों के दर्शन भी होते हैं। कुल दूरी और ट्रेक- अब कितना आसान हुआ सफर-इस बार कैलाश मानसरोवर यात्रा की कुल दूरी 1738 किलोमीटर होगी। इसमें लगभग 1690 किलोमीटर यात्रा वाहन से और सिर्फ 38 किलोमीटर पैदल ट्रेक रहेगा।साल 2019 से पहले यात्रियों को धारचूला से लिपुलेख दर्रे तक 60 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलना पड़ता था। रास्ते में ऑक्सीजन की कमी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यात्रा काफी चुनौतीपूर्ण होती थी। अब भारत और चीन दोनों तरफ सड़क बनने के बाद यह यात्रा काफी आसान हो गई है। सीमावर्ती क्षेत्र तक वाहन पहुंचने लगे हैं, जिससे बुजुर्ग और पहली बार यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह यात्रा पहले की तुलना में ज्यादा सुलभ हो गई है।

क्यों खास है इस साल की यात्रा- 60 साल बाद बना दुर्लभ योग-इस साल की कैलाश मानसरोवर यात्रा धार्मिक दृष्टि से भी बेहद खास मानी जा रही है। 60 वर्षों बाद अग्नि अश्व वर्ष का दुर्लभ योग बन रहा है, जिसे हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म में मोक्ष प्राप्ति का महत्वपूर्ण समय माना जाता है। तिब्बती ज्योतिष दौलत रायपा के अनुसार यह 60 साल के चक्र का विशेष वर्ष होता है। मान्यता है कि इस वर्ष की गई एक परिक्रमा का फल सामान्य वर्षों की 12 परिक्रमा के बराबर होता है। इसी वजह से इस बार देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर से श्रद्धालुओं के इस यात्रा में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

डिफेंस की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें,हमें सरप्राइज एलिमेंट पर प्रो-एक्टिव होकर काम करना है-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

प्रयागराज। प्रयागराज में सोमवार को उत्तर प्रौद्योगिकी

संगोष्ठी (नॉर्थ टेक सिम्पोजियम) 2026 की शुरूआत हो गई। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने कहा- डिफेंस कॉरिडोर की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें। उन्होंने कहा-ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया को हमारी ताकत का एहसास हो गया है। उन्होंने कहा- मैं प्रो-एक्टिव तैयारी की बात कर रहा हूं। वो है सरप्राइज एलीमेंट। हमें ऐसी क्षमताएं भी विकसित करनी है जो जरूरत पड़ने हम ऐसा प्रहार कर सकें जिससे दुश्मन सरप्राइज हो जाए। मुझे पता है कि हमारी सेना इस ओर काम कर रही हैं। अब हमें प्रो-एक्टिव होकर काम करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण हमारे सामने हैं। इस ऑपरेशन के एक साल पूरे हो चुके हैं। जब भी ऑपरेशन सिंदूर की बात आती है तो मुझे अपनी सेनाओं के शौर्य स्वाभाविक रूप से याद आता है। आतंकियों को और उनके सरपरस्तों को जो मुहंतोड़ जवाब हमारे सैनिकों ने दिया उससे पूरे देश का सिर गौरव के साथ ऊंचा हो गया। ये तो अच्छा हुआ कि हमने धैर्य दिखाते हुए केवल आतंकवादियों का सफाया किया। नहीं तो हमारी सेनाएं क्या कुछ करने में सक्षम नहीं हैं। इसका अंदाजा पूरी दुनिया को अब हो चुका है। रक्षा मंत्री ने कहा- साथियों ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में टेक्नोलॉजिकल वार फेयर का एक नमूना है। इस ऑपरेशन में आकाश और ब्रह्मोस जैसी मिसाइल के लेटेस्ट सिस्टम को शामिल किया गया। मैंने हमेशा आर्म फोर्सेस और डिफेंस को बराबर एक बात कही है। हमने सिर्फ एक्टिव नहीं बल्कि प्रो एक्टिव भी रहना है। हर प्रकार की स्थिति के लिए तैयार रहना है। क्योंकि आज के समय कब क्या हो जाए कुछ भी संभावित नहीं है। अन्य क्षेत्रों में जैसे चिकित्सा और शिक्षा में अगर कोई नई टेक्नोलॉजी आती है तो उसे एक-दो साल में भी अपना सकते हैं। जो स्वाभाविक रूप से संभल जाती है। लेकिन डिफेंस के क्षेत्र में हम सोचेंगे कि एक साल बाद इस नई चुनौती से निपटने का उपाय सोचेंगे। लेकिन ये सोच हमारे

लिए यह घातक होगी। एक साल की देरी का मतलब दुश्मन हमारे ऊपर हावी हो जाए। इसलिए मैंने कहा- हमारा रवैय्या रिएक्टिव नहीं प्रो एक्टिव होना चाहिए। हमें उन चीजों के बारे में सोचना है जो कभी अस्तित्व में भी नहीं है। आगे बढ़ने का एक ही मंत्र है एडप्टबिलिटी- रक्षामंत्री ने कहा- साथियों आज के परिवेश में आगे बढ़ने का एक ही मंत्र है, एडप्टबिलिटी। बदलती परिस्थितियों में खुद का बदलना ही हमारी प्रायोरिटी होनी चाहिए। जो देश तकनीकी क्रांति को तेजी से एडाप्ट करेगा वही फ्यूचर वार फेयर में तेजी से आगे निकलेगा। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी भी रहे। भारतीय सेना की उत्तरी कमान, मध्य कमान और सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित और तीन दिन चलने वाले इस सिम्पोजियम (4-6 मई) में स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन और एकीकरण का प्रमुख मंच बनेगी। 284 कंपनियां करेंगी पार्टिसिपेट- सिमपोजियम की थीम 'रक्षा त्रिवेणी संगम - जहां प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैनिक कौशल का संगम होता है' है, जो चुनौतियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देगा। भारतीय सेना बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार नवाचार पर जोर दे रही है। ऐसे में 284 कंपनियां, जिसमें एमएसएमईज़, निजी रक्षा फर्में, स्टार्टअप्स और सैन्य कर्मी शामिल हैं। अपने नवाचारों को स्टॉलों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य फील्ड तैनाती व रखरखाव के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों की पहचान कर खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है, ताकि भारतीय सेना में आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली मजबूत हो।

फेक वीडियो फैलाने वालों पर भड़के राहुल रॉय,कहा- लावारिस नहीं, मेरे पास घर-गाड़ी है, पैसे मांगने वालों पर भरोसा न करें

मुंबई। वायरल वीडियो से सुर्खियों में आए राहुल रॉय को लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। एक्टर वीडियो पर सफाई दे चुके हैं, इसके बावजूद कई लोग उनका मजाक उड़ा रहे हैं। अब कुछ लोगों ने एक्टर की आर्थिक मदद करने के नाम पर कुछ फेक वीडियो बनाने भी शुरू कर दिए हैं। ये देख एक्टर भड़क गए। उन्होंने हेटर्स और ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए फिर एक बेबाक बयान दिया है। फेक वीडियोज सामने आने पर राहुल रॉय ने भड़कते हुए ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है- 'आप सभी का धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर अपना प्यार और समर्थन बरसाया। यह मैसेज मेरे सभी हेटर्स, ट्रोलर्स और फेक वीडियो बनाने वालों के लिए है। मैं सुरक्षित हूं और मेरी अच्छी तरह देखभाल मेरी बहन प्रियंका और जीजा रोमीर सेन कर रहे हैं। मैं अपनी बहन के घर मड में रहता हूं। हमारा बहुत प्यारा घर है, और वह मुझसे बहुत प्यार करती हैं, जिससे मैं खुद को दुनिया का सबसे खुशकिस्मत भाई मानता हूं।' आगे एक्टर ने लिखा, 'मेरा जुड़वां भाई कनाडा में रहता है रोहिन रॉय। दुर्भाग्यवश, उनके काम के दबाव के कारण मैं उनसे लगभग 9 साल से नहीं मिल पाया हूं। मेरे पास कपड़े हैं, जूते हैं, खाना है, गाड़ी है, मैं कोई सड़क पर छोड़ा हुआ लावारिस व्यक्ति नहीं हूं। जिस तरह के फेक वीडियो सामने आ रहे हैं, वे बिल्कुल सच नहीं हैं। मेरी बहन और जीजा ने मुझे हर चीज मुहैया कराई है। कृपया उनकी शांति भंग न करें, क्योंकि वही मेरे लिए सबसे अहम हैं।'आगे राहुल रॉय ने लिखा है, 'मेरी समस्या बस इतनी है कि मुझे सादगी से रहना और आसान कपड़े पहनना पसंद है, यह मेरी व्यक्तिगत पसंद है। मैं बॉडीगार्ड नहीं रखता, यह भी मेरी अपनी पसंद है। अगर मैं कभी ऑटो से सफर करता हूं, तो वह आसान और तेज होता है, यह भी मेरा फैसला है। मैंने जो रील्स बनाए, वे सादगी से बनाए थे, किसी चालाकी से नहीं। वह मेरा काम था, कोई आर्थिक मदद नहीं। मैं हमेशा मानता हूं कि काम, काम होता है, यह मेरी सोच है, मेरे फैसले मेरी पसंद हैं।' मैंने लंबे समय तक अच्छे काम का इंतजार किया- राहुल रॉय- आखिर में राहुल रॉय ने लिखा, 'मैंने लंबे समय तक अच्छे काम का इंतजार किया, लेकिन वह नहीं आया। मैं यूं ही बैठकर अपना समय बर्बाद नहीं कर सकता। और हां, मुझे अपने निजी कोर्ट केसों का भी ध्यान रखना पड़ता है। अगर कोई मेरे नाम पर वीडियो बनाकर यह दावा करता है कि वे मेरी मदद कर रहे हैं या मेरे लिए पैसे मांग रहे हैं, तो कृपया उन पर विश्वास न करें। हमेशा विश्वसनीय स्रोतों से ही जांच करें। मेरे, मेरी बहन, और जीजाजी के अलावा किसी पर भरोसा न करें। और और अब तक मैंने किसी भी न्यूज चैनल, मैगजीन, पॉडकास्ट या यूट्यूबर को कोई इंटरव्यू नहीं दिया है। पॉजिटिव रहें। अगर मुझे कोई अच्छी फिल्म मिलती है, तो आप मुझे फिर फिल्मों में देखेंगे। तब तक मेरे द्वारा किए जा रहे काम में मुझे देखते रहें। मैं जिंदा हूं। राहुल रॉय।' राहुल रॉय का एक इन्फ्लूएंसर के साथ वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद कई लोग एक्टर को जमकर ट्रोल करने लगे। ट्रोलिंग के बीच राहुल रॉय ने सफाई में पोस्ट जारी कर कहा कि उन्हें बिल भरने होते हैं और लीगल मैटर्स की देखरेख करनी पड़ती है, जिसके लिए वो हर तरह का काम कर कमाई कर रहे हैं। एक्टर ने ये भी कहा कि अगर कोई वाकई चिंतित है, तो उन्हें अच्छा काम दिलवा दे।

फिल्म वाराणसी के मेकर्स की बढ़ीं दिक्कते,शूटिंग के लिए 150 पानी के टैंकर देने से जल आपूर्ति बोर्ड का इनकार,18 मई को इस्तेमाल होना था

वाराणसी। एसएस राजामौली की मोस्ट अवेटेड फिल्म वाराणसी की शूटिंग में दिक्कतें आ सकती हैं। इस फिल्म की शूटिंग हैदराबाद फिल्मसिटी में चल रही है। फिल्म के कुछ सीन के लिए मेकर्स को एक तालाब बनाना था, जिसके लिए उन्हें हजार लीटर पानी चाहिए था, लेकिन अब जल आपूर्ति बोर्ड ने इससे इनकार कर दिया है। फिल्म वाराणसी की प्रोडक्शन कंपनी श्री दुर्गा आर्ट्स ने हाल ही राजेंद्रनगर के गगनपहाड़ स्थित फिल्मसिटी में तालाब बनाने के लिए हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड को एक लेटर लिखकर 150 वॉटर टैंकर की मांग की थी। प्रोडक्शन द्वारा बोर्ड के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी को लिए गए लेटर में कहा गया था कि पानी के लिए कंपनी उन्हें टैंकर का किराया भी देगी। हालांकि बोर्ड द्वारा लेटर को रिजेक्ट कर दिया गया है। नवभारत टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेट पर पहले ही तालाब बनवा लिया गया है, जिसमें 10 हजार लीटर प्रति टैंकर की कैपेसिटी के 150 टैंकर इस्तेमाल होने थे। पानी को 18 मई को होने वाली शूटिंग के लिए शुद्ध करवाया जाना था। लेकिन गर्मी से बढ़ने जल संकट को देखते हुए जल आपूर्ति बोर्ड ने प्रोडक्शन की सभी मांगें खारिज कर दी हैं। देखना होगा कि बोर्ड द्वारा लेटर खारिज किए जाने के बाद मेकर्स अब किस तरह पानी की डिमांड पूरी करेंगे और शूटिंग जारी रखेंगे। एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म वाराणसी 7 अप्रैल 2027 में रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। इस फिल्म से प्रियंका चोपड़ा इंडियन सिनेमा में कमबैक कर रही हैं। फिल्म में उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में नजर आने वाले हैं।

तृषा हुई 43 की, एक्टर-राजनेता थलापति विजय से जुड़ा नाम,सगाई तोड़ी, डायरेक्टर ने कहा था- ये घर से न निकले तो अच्छा, क्वीन ऑफ साउथ की कहानी

चेन्नई। क्वीन ऑफ साउथ इंडिया नाम से मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन आज 43 साल की हो चुकी हैं। तमिल और तेलुगु सिनेमा की

हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस में शामिल तृषा इन दिनों साउथ सुपरस्टार थलापति विजय से नाम जुड़ने से चर्चा में हैं। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। थलापति विजय ने हाल ही में तलाक अनाउंस कर तृषा के साथ पब्लिक अपीयरेंस दी, जिससे अफेयर की चर्चा और बढ़ गईं। वहीं विजय की पूर्व पत्नी ने भी उन पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। तृषा कृष्णन मिस चेन्नई जीतने के बाद साउथ इंडस्ट्री से जुड़ी थीं। करियर की शुरुआत में वो फाल्गुनी पाठक के सुपरहिट म्यूजिक एल्बम के गाने 'मेरी चूनर उड़-उड़ जाए' में नजर आई थीं। उनके साथ गाने में आएशा टाकिया ने भी डेब्यू किया था। सालों बाद तृषा ने अक्षय कुमार की फिल्म खट्टा मीठा से बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म तो हिट रही, लेकिन फिर आगे उन्हें दूसरी फिल्में नहीं मिलीं। साउथ इंडस्ट्री में कामयाबी हासिल करने के बाद 23 जनरी 2015 में तृषा कृष्णन की सगाई बिजनेसमैन वरुण मनियन से हुई थी। लेकिन कुछ दिनों बाद ही ये सगाई टूट गई। साउथ मीडिया पोर्टल मनोरमा को दिए इंटरव्यू में तृषा ने सगाई टूटने पर कहा था, मैं जिस इंसान से शादी करना चाहती थी, उसने मेरे सामने एक्टिंग छोड़ने की शर्त रखी थी तो मैंने सगाई तोड़ दी। मैं सिर्फ तब ही फिल्मों से ब्रेक लूंगी, जब मैं प्रेग्नेंट रहूं। अगर मुझे लीड रोल न मिलें, तो मैं कैरेक्टर रोल करूंगी, लेकिन मैं आखिरी सांस तक एक्टिंग करूंगी। सगाई टूटने के बाद इंडिया ग्लिट्स तमिल को दिए इंटरव्यू में तृषा ने कहा था, मैं तलाक पर विश्वास नहीं करती। मैं

कई ऐसे शादीशुदा जोड़ों को जानती हूं जो गलत कारणों से रिश्ते में हैं। वो बेहद नाखुश हैं। वो शादी में हैं सिर्फ बच्चों के लिए। मैं ऐसी शादी नहीं चाहती। मैं सही वक्त और सही पार्टनर के मिलने पर ही शादी करूंगी। मैं प्यार में पड़ना चाहती हूं, शादी मेरे लिए सेकेंड्री है।

इसके बाद तृषा का नाम बाहुबली एक्टर राणा दग्गूबाती से जुड़ा। दोनों कुछ सालों तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन फिर दोनों का ब्रेकअप हो गया। हालांकि दोनों ब्रेकअप के बाद भी दोस्त रहे। थलापति विजय ने साल 25 अगस्त 1999 में फैन संगीता सोर्नालिंगम से शादी की थी, जिससे उन्हें 2 बच्चे हैं। शादी के 27 साल बाद हाल ही में संगीता ने विजय से तलाक की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, संगीता ने तलाक की वजह विजय का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर बताया। याचिका में संगीता ने आरोप लगाया कि थलापति विजय का 2021 से एक्ट्रेस से एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है, जिससे उनका रिश्ता बिगड़ने लगा। विजय ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वो एक्ट्रेस से रिश्ता खत्म कर लेंगे, लेकिन बार-बार मौका दिए जाने के बावजूद उन्होंने ऐसा नहीं किया। वो लगातार उस एक्ट्रेस के साथ ट्रिप पर जाते रहे, जिसकी तस्वीरें सामने आती रहती हैं। इन तस्वीरों के सामने आने से उन्हें अपमान महसूस हुआ। इसके अलावा विजय ने उनकी जिम्मेदारी उठाना भी लगभग बंद कर दिया, जिसके बाद

उन्होंने तलाक का फैसला किया। थलापति विजय की पत्नी ने याचिका में उस एक्ट्रेस का जिक्र नहीं किया, लेकिन लंबे समय से उनका नाम तृषा कृष्णन के साथ जुड़ रहा है। रिलेशनशिप की खबरों के बीच ही दोनों 2023 की फिल्म लियो में साथ नजर आए थे। थलापति विजय के तलाक के ठीक बाद वो तृषा कृष्णन के साथ एक हाईप्रोफाइल वेडिंग में पहुंचे। ये दोनों की पहली पब्लिक अपीयरेंस थी। कई लोगों का मानना था कि तलाक के बाद दोनों ने रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है। इसी बीच विजय के बॉडीगार्ड ने एक पोस्ट शेयर की जिसमें लिखा था, अब अफवाहें क्लियर करने का समय आ चुका है। साउथ मीडिया पोर्टल की रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि चुनाव के तनीजे आने के बाद दोनों शादी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि दैनिक भास्कर इस दावे की पुष्टि नहीं करता। लिंक-अप रूमर्स से चर्चा में बनीं हुईं

एक्ट्रेस तृषा पर हाल ही में डायरेक्टर आर.पार्थिबन ने एक विवादित टिप्पणी की। वो पहले तृषा के साथ काम कर चुके हैं। बाफ्टा अवॉर्ड में डायरेक्टर से तृषा की तस्वीर दिखाकर उस पर रिएक्शन मांगा। इस पर उन्होंने कहा, 'इसे कुछ दिनों तक घर पर ही रखना चाहिए। अगर वो बाहर न निकलें तो ज्यादा अच्छा होगा, क्योंकि इस समय काफी दिक्कतें चल रही हैं।' एक्ट्रेस ने लगाई थी फटकार-वीडियो सामने आने के बाद तृषा ने डायरेक्टर के आपत्तिजनक बयान पर सोशल मीडिया पर लिखा-'मेरी तस्वीर और नाम एक असिस्टेंट के कहने पर आखिरी समय पर उस इवेंट में इस्तेमाल किया गया। माइक पर बोलने से कोई बात समझदारी नहीं बनती, बेवकूफी ही रहती है। ऐसी बातें कहने वाले के बारे में ज्यादा बताती हैं, न कि जिसके बारे में कहा गया है उसके बारे में।' मिस चेन्नई जीतकर फिल्मों में आईं तृषा- 4 मई 1983 में तृषा कृष्णन का जन्म तमिलनाडु के मद्रास के पलक्कड़ अय्यर परिवार में हुआ।

स्कूलिंग के बाद उन्होंने चेन्नई से कॉलेज की पढ़ाई की। कॉलेज के दिनों में तृषा ने मॉडलिंग करना शुरू किया। उन्होंने मिस सालेम ब्यूटी कॉन्टेस्ट और फिर मिस चेन्नई का खिताब जीता। उन्होंने 2001 में फेमिना मिस इंडिया में भी पार्टिसिपेट किया, जिसमें फाइनलिस्ट रहते हुए उन्होंने ब्यूटीफुल स्माइल का टैग हासिल किया। तृषा ने तमिल फिल्म जोड़ी (1999) में साइड कैरेक्टर निभाकर एक्टिंग करियर की शुरुआत की। साल 2000 में तृषा फाल्गुनी पाठक के हिट म्यूजिकल एल्बम के गाने मेरी चूनर उड़-उड़ जाए में आएशा टाकिया के साथ नजर आई थीं। तृषा कृष्णन क्रिमिनल साइकोलॉजी पढ़ना चाहती थीं, लेकिन जब हेरा फेरी, भूल भुलैया बनाने वाले डायरेक्टर प्रियदर्शन ने उन्हें फिल्म लेसा लेसा (2003) मेजर रोल दिया, तो उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़ एक्टिंग करियर में फोकस करने का फैसला कर लिया। तमिल इंडस्ट्री में पहचान बनाने के बाद उन्होंने 2004 में फिल्म वर्षम से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। इस फिल्म में वो प्रभास के साथ नजर आई थीं

इसी साल तृषा की थलापतिके साथ तमिल फिल्म घिली रिलीज हुई, जो उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बनी। इस फिल्म से तृषा को साउथ इंडस्ट्री में स्टारडम हासिल हुआ। 2005-06 में तृषा की एक साथ 12 फिल्में रिलीज हुईं जिनमें से ज्यादा हिट रहीं। इनमें से थिरुपाची ब्लॉकबस्टर रही। वहीं इसी समय आई उनकी एक्टर सिद्धार्थ के साथ आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म नुवोस्तानांते नेनोद्दंताना भी कमर्शियली हिट रही, जिसका गाना आज भी सोशल मीडिया पर वायरल होता रहता है। आगे तृषा ने लगातार हिट देते हुए इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ बनाई। वो आज भी साउथ की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस हैं, जिनकी आने वाले सालों में 3 बड़ी फिल्में करुप्पू, विश्वंभरा और राम रिलीज होने वाली हैं। 2010 में अक्षय कुमार के साथ किया बॉलीवुड डेब्यू-तृषा कृष्णन ने 2010 में रिलीज हुई फिल्म खट्टा मीठा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। तृषा को करियर का पहला ब्रेक देने वाले प्रियदर्शन ने इसे डायरेक्ट किया था। इसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आई थीं। शुरुआत में इस फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले, लेकिन आज ये बॉलीवुड की कल्ट फिल्मों में शामिल है। ये तृषा के करियर की इकलौती हिंदी फिल्म है। ये फिल्म हिट रही, लेकिन फिर तृषा ने बॉलीवुड में काम नहीं किया। 25 साल के करियर में तृषा ने करीब 70 फिल्में की हैं, जिनके लिए उन्हें अब तक 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, तमिलनाडू स्टेट फिल्म अवॉर्ड और एक नंदी अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। बेहतरीन फिल्मों के अलावा तृषा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करती हैं। तृषा फैंटा इंडिया की एंबेसेडर रही हैं, जिसमें उन्होंने रानी मुखर्जी को रिप्लेस किया था। इसके अलावा स्कूली पेप प्लस के एड से प्रीति जिंटा को भी रिप्लेस कर चुकी हैं। इनके अलावा उन्होंने एक फेयरनेस क्रीम के एड से एक्ट्रेस असिन को रिप्लेस किया था। वो वोलिनी, जॉय और विवेल साबुन की भी एंबेसेडर रह चुकी हैं।

मां बनने के बाद कटरीना कैफ पहली बार पति विक्की कौशल के साथ ब्लैक आउटफिट में स्पॉट हुईं, नवंबर में दिया बेटे को जन्म

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने मां बनने के बाद

पहली बार पब्लिक अपीयरेंस दी। वो पति विक्की कौशल के साथ ऑल ब्लैक आउटफिट में स्पॉट हुई हैं। नवंबर में बेटे विहान को जन्म देने के बाद से ही कटरीना कैफ लाइमलाइट से दूर हैं। वो तब से ही पैपराजी की नजरों से बचती दिखती हैं। लेकिन रविवार को उन्हें मुंबई में विक्की के साथ स्पॉट किया गया। इस दौरान कटरीना कैफ ने ऑल ब्लैक आइटफिट कैरी किया। कटरीना ने ब्लैक ओवरकोट के साथ जेगिंग्स, स्पोर्ट्स शूज और डार्क सनग्लासेस से लुक कंप्लीट किया है। विक्की कौशल ने ब्लैक बैगी पेंट, टी-शर्ट और ब्राउन जैकेट के साथ कैप पहनकर लुक पूरा किया। इससे पहले भी कटरीना कैफ को मुंबई में स्पॉट किया गया था। तब वो कैमरों की नजरों से बचती दिखी थीं। हालांकि कार में बैठने के बाद उन्होंने कैमरों की तरफ देखकर वेव जरूर किया था। तब उन्होंने मास्क से चेहरा पूरी तरह छिपा रखा था। हाल ही में विक्की कौशल ने ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कटरीना कैफ के मदरहुड फेज पर बात की है। उन्होंने कहा-'मां ही असली सुपरहीरो है। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक योद्धा की तरह मजबूती दिखाई है, और मां बनने के बाद भी वह उतनी ही मजबूत रही हैं। मुझे उन पर बेहद गर्व है, और मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं।' कटरीना कैफ ने 7 नवंबर को बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए लिखा था, हमारी खुशियों का पिटारा आ गया है। बहुत सारे प्यार आभार के साथ हम अपने बेटे का स्वागत करते हैं। 7 नवंबर 2025। कटरीना और विक्की। बेटे के जन्म के करीब डेढ़ महीने बाद विक्की कटरीना ने बेटे के नाम की घोषणा की। उन्होंने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। इसकी घोषणा करते हुए कपल ने लिखा, हमारी रोशनी की किरण विहान कौशल। दुआओं का जवाब मिला। जिंदगी खूबसूरत है। हमारी दुनिया अचानक बदल गई। आभार के लिए शब्द नहीं हैं। कटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 की फिल्म मैरी क्रिसमस में देखा गया है। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति लीड रोल में थे। इसके बाद से ही एक्ट्रेस किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। इस साल भी उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं होगी। शादी के 4 साल बाद बनीं मां-कटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 में एक्टर विक्की कौशल से शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात एक अवॉर्ड शो में हुई थी, जिसके बाद दोनों चंद मुलाकातों के बाद रिलेशनशिप में आ गए थे। कपल ने हिंदू रीति-रिवाजों से राजस्थान के सवई माधौपुर के सिक्स सेंस रिसोर्ट में शादी की है।

आयुष्मान की फिल्म पर लगे चीटिंग दिखाने के आरोप,एक्टर ने 'पति पत्नी और वो दो' मूवी पर दी सफाई, कहा- यह साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्म

मुंबई। आयुष्मान खुराना की अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का ट्रेलर रिलीज होते ही

विवादों में आ गया है। सोशल मीडिया पर फिल्म पर शादी में धोखाधड़ी को बढ़ावा देने और इसे मजेदार तरीके से दिखाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, अब ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने इन आरोपों का जवाब दिया है। एक्टर का दावा है कि फिल्म में उनका किरदार 'ग्रीन फ्लैग' है और यह किसी भी तरह की बेवफाई या धोखा देने को प्रमोट नहीं करती है। शादी में धोखे को बढ़ावा देने का आरोप फिल्म का टीजर आने के बाद से ही कुछ लोग इस पर सवाल उठा रहे थे। आलोचकों का कहना है कि फिल्म में एक शादीशुदा आदमी का दूसरी औरतों के साथ अफेयर दिखाना समाज में गलत मैसेज दे सकता है। आरोप है कि ऐसी कहानियों से लोग शादी में पार्टनर को धोखा देने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इसे 'चीटिंग' को ग्लोरिफाई करने वाली फिल्म बताया जा रहा था।आयुष्मान बोले- मेरा मॉरल कंपास सही इन आरोपों को खारिज करते हुए आयुष्मान खुराना ने ट्रेलर लॉन्च पर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म चार किरदारों की उलझनों के बारे में है। मेरा जो रोल है यानी प्रजापति पांडे, वो पूरी तरह से एक 'ग्रीन फ्लैग' किरदार है। उसका मॉरल कंपास बिल्कुल सही है। हम किसी भी तरह की धोखाधड़ी को बढ़ावा नहीं दे रहे क्योंकि यह एक साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्म है। यह सिर्फ एक कॉमेडी ऑफ एरर्स है, जिसमें प्रजापति का किसी के साथ कोई अफेयर नहीं है। रकुल बोलीं- यह सिर्फ कॉमेडी है एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने भी आयुष्मान की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा, यह फिल्म गलतफहमियों पर आधारित है। ऐसी सिचुएशन किसी के साथ भी हो सकती है। लोग इससे जरूर रिलेट करेंगे।

इसे विवाद के नजरिए से देखने के बजाय मनोरंजन के तौर पर देखा जाना चाहिए। रकुल का मानना है कि फिल्म में कुछ भी ऐसा नहीं है जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। तीन एक्ट्रेसेस के बीच फंसे आयुष्मान टीजर में आयुष्मान खुराना 'प्रजापति पांडे' के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस बार उनकी लाइफ में कन्फ्यूजन का लेवल काफी ज्यादा है। आयुष्मान एक या दो नहीं, बल्कि तीन महिलाओं के बीच फंसे हुए हैं। फिल्म में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं। टीजर में विजय राज एक पुलिस वाले के रोल में दिख रहे हैं, जो कॉमेडी को और बढ़ा रहे हैं। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।